विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव से संबंधित प्रमुख समाचारों की क्लिपिंग्स

05-02-2021

निरीक्षा शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दै0 जागरण लखनऊ

चौरी-चौरा जनप्रतिरोध शताब्दी महोत्सव का पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, देश को दिलाया भरोसा

किसानों की जमीन कोई नहीं छीन सकता

बृजेश दुबे • गोरखपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भरोसा दिलाया कि गांवों में गरीबों-किसानों के घर व जमीन पर अब कोई कुदृष्टि नहीं डाल पाएगा। देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार हमारा किसान रहा है। किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें इसके लिए पिछले छह सालों में लगातार प्रयास किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने दशकों तक लगभग विस्मृत रहे चौरी-चौरा जनप्रतिरोध के शताब्दी महोत्सव का वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शुभारंभ करते हुए उन 19 बलिदानियों को नमन किया, जिन्हें 4 फरवरी, 1922 को 23 पुलिस कर्मियों को थाने में जला कर मार दिए जाने के आरोप में फांसी की सजा दी गई थी। इस जनप्रतिरोध के कारण महात्मा गांधी को असहयोग आंदोलन स्थगित करना पड़ा था। महोत्सव पूरे प्रदेश में सालभर चलेगा। प्रधानमंत्री ने 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रम रक्षेत' के संदेश के साथ पांच रुपये का डाक टिकट भी जारी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चौरी चौरा संग्राम में किसानों की बड़ी भूमिका थी। किसानों के लिए सरकार के छह साल के प्रयासों का परिणाम कोरोना काल में देखने को भी मिला। कृषि क्षेत्र सबसे मजबूत होकर उभरा। रिकार्ड उत्पादन कर दिखाया। हम कृषि क्षेत्र को लाभदायक व्यापार बनाएंगे। उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव की जमीनों व घरों के कागज वहां के लोगों को दिए जा रहे हैं। जब जमीन-घर के सही कागज होंगे तो उनका मूल्य बढ़ेगा और बैंकों से आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा। इसका बहुत बड़ा लाभ देश के छोटे किसानों और गरीब परिवारों को होगा। बजट में ग्रामीण क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 40 हजार करोड़ रुपये देने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। चौड़ी सड़कें मिलेंगी। फसल बेचने के लिए फायदे की मंडियां मिलेंगी। इसके लिए एक हजार और मंडियों को ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार के पोर्टल) से जोड़ा जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि लोगों ने बजट को वोट बैंक के हिसाब किताब का बही खाता बना दिया था। घोषणाएं भी ऐसी की जाती थीं, जो पूरी नहीं हो पाती थीं। तमाम दिग्गज कह रहे थे कि इस साल जनता पर टैक्स का बोझ बढ़ेगा, लेकिन हमने खर्च बढ़ाया है। इससे विकास होगा। गांव शहर से जुड़ेगा। प्रधानमंत्री ने सामूहिकता पर भी जोर दिया। कहा, जिन सामूहिक प्रयासों से गुलामी की बेड़ियां तोड़ीं, वही भारत को दुनिया में ताकतवर बनाते हैं। यह आत्मनिर्भरता का मूल आधार है। इसी ताकत पर कोरोना काल की विपरीत परिस्थिति में वैश्विक परिवार की भलाई के लिए कदम उठाए। 50 लाख से अधिक लोगों को उनके घर पहुंचाया। हजारों विदेशी नागरिकों को उनके देश में सुरक्षित जाने की व्यवस्था की। 150 देशों को वैक्सीन पहुंचाई। इससे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को गर्व होगा। आज हमारा टीकाकरण अभियान दुनिया भर के लिए अध्ययन का विषय है।

संबंधित सामग्री >> जागरण सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गोरखपुर में चौरी-चौरा शताब्दी समारोह को संबोधित किया • एएनआइ

बोले प्रधानमंत्री

- कोरोना काल में मजबूत होकर उभरा कृषि क्षेत्र, रिकार्ड उत्पादन
- पहले लोगों ने बजट को बना दिया था वोट बैंक का बही-खाता
- सामूहिकता ही भारत को ताकतवर बनाती है, आत्मनिर्भरता का मूल भी

चौरी-चौरा जनप्रतिरोध को नहीं मिला पूरा महत्व

चौरी-चौरा जनप्रतिरोध को हाशिये पर रखने को दुर्भाग्य बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, नहीं हुई। सौ वर्ष पहले चौरी चौरा में जो हुआ, वह थाने में आग लगाने की घटना भर नहीं थी, व्यापक संदेश था। आग थाने में नहीं लगी थी, लोगों के दिलों में लगी थी। ऐसी कम घटनाएं होंगी, जहां 19 लोगों को फांसी दे दी गई। बाबा राघवदास और महामना मालवीय जी के प्रयासों ने 150 लोगों को फांसी से बचा लिया। आज का दिन बाबा राघवदास और महामना को भी याद करने का है।

स्वदेशी, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की ओर हों अग्रसर: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार फरवरी, 1922 को चौरी चौरा में हुए जनाक्रोश ने न सिर्फ स्वाधीनता आंदोलन की दिशा बदल दी, बल्कि आजादी का अमूल्य संघर्ष भी यहीं से शुरू हुआ। यह समारोह उन हुतात्माओं और बलिदानियों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का मौका है, जिन्होंने प्राण न्योछावर कर दिए। स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता से आत्मनिर्भरता ही बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। देखें >> जागरण सिटी।

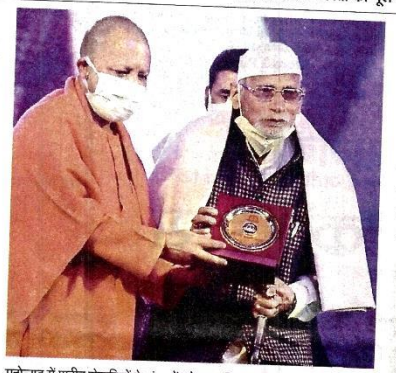

महोत्सव में शहीद सेनानियों के वंशजों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

गोरखपुर विकास का उदाहरण

प्रधानमंत्री ने गोरखपुर को विकास का उदाहरण बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां इंसेफलाइटिस के खात्मे के लिए जो प्रयास किया, उसकी प्रशंसा बड़ी-बड़ी संस्थाएं कर रही हैं। इलाज के लिए एम्स के डाक्टर हैं। चौड़ी सड़कें हैं। आठ फ्लाइट हैं। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, देवरिया में मेडिकल कालेज बन रहे हैं। यही स्वतंत्रता सेनानियों को असली श्रद्धांजलि है।

'गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटीं'

प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन भोजपुरी में शुरू किया। बोले-'भगवान शिव अवतारी गोरक्षनाथ क धरती के प्रणाम करत बाटीं। देवरहा बाबा के आशीर्वाद से ई जिला खूब आगे बढ़त बा। आप सबै के नमन करत बाटीं।' इस पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान लखनऊ

गोरखपुर में चौरीचौरा शताब्दी वर्ष समारोह का प्रधानमंत्री ने वर्चुअल उद्घाटन किया

किसानों को सशक्त बनाने की कोशिश कर रहे : मोदी

गोरखपुर/लखनऊ | हिटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले छह वर्षों से सरकार किसानों की स्थिति बदलने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसका परिणाम कोरोना काल में भी देखने को मिला। महामारी की चुनौतियों के बीच भी किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन किया। किसान और सशक्त होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने ये बातें गुरुवार को चौरीचौरा कांड के शताब्दी वर्ष समारोह का नई दिल्ली से ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए कहीं। इस मौके पर उन्होंने चौरीचौरा पर डाक टिकट भी जारी किया। कार्यक्रम से राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ऑनलाइन जुड़ीं जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समारोह स्थल पर मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने भाषण की शुरुआत भोजपुरी में 'प्रणाम करत बानी...' कहकर की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में ऐसी कम ही घटनाएं हुई होंगी, जिसमें किसी एक घटना पर 19 सेनानियों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया हो।

भारत बड़ी ताकत बनेगा पेज 09

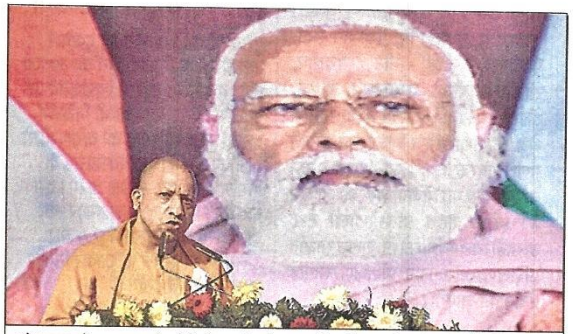

गोरखपुर में गुरुवार को चौरीचौरा कांड के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कांफ्रेंस से इस कार्यक्रम से जुड़े।

विश्व रिकॉर्ड बना

संस्कृति व पर्यटन विभाग की ओर से चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अंतर्गत वन्देमातरम् गायन में विश्वरिकॉर्ड बन गया। दो दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा ऑनलाइन वीडियो आए। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि वन्देमातरम् के वीडियो अपलोड कर गिनीज बुक में रिकार्ड दर्ज कराया गया है।

शहीदों को नमन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दफ्तर के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदल कर चौरीचौरा के शहीदों को नमन किया है। चौरीचौरा शताब्दी महोत्सव के 'लोगो' में राष्ट्र भक्ति का संदेश है। प्रोफाइल पिक्चर के तौर पर चौरीचौरा महोत्सव के शताब्दी वर्ष का 'लोगो' लगाया गया है।

19 स्वतंत्रता सेनानियों को चौरीचौरा घटना में फांसी दी गई थी

04 फरवरी 2022 तक चलेगा शताब्दी वर्ष समारोह

चौरीचौरा ने बदली आजादी के आंदोलन की दिशा : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 4 फरवरी 1922 के चौरीचौरा के जनाक्रोश ने स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी थी। देश के अंदर स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि चौरीचौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र कराने वाले हुतात्माओं एवं भारत माता के बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है।

स्मारकों पर होंगे कार्यक्रम पेज 09
सौ साल में भी नहीं मिली थी पहचान पेज 09

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान लखनऊ

● गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा ● इस मौके पर शहीदों के परिवारीजनों को किया गया सम्मानित

शहीद स्मारकों पर साल भर चलेंगे कार्यक्रम

समारोह

गोरखपुर | मुख्य संवाददाता

चौरीचौरा शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से यह समारोह हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अगुवाई में प्रदेश के सभी स्मारकों पर शहीदों के प्रति श्रद्धा समर्पित करने के कार्यक्रमों की शृंखला शुरू हुई है। 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े सेनानियों के स्मारकों पर ये कार्यक्रम आयोजित होंगे।

स्मारकों पर पुलिस बैंड की धुन पर राष्ट्र भक्ति के गीतों की प्रस्तुति, काव्य गोष्ठी और दीपोत्सव होंगे। विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन और स्वाधीनता इतिहास साहित्य से जुड़ी प्रदर्शनी के साथ ही विशिष्ट शोध को बढ़ावा दिया जाएगा।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन के साथ ही हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना है। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के चलते इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित करने में सफल हुए हैं। यह सफलता एक मिसाल है।

उन्होंने कहा कि आज देश पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने लोगों से इसमें जुटने का आह्वान किया। योगी ने लोगों से 'स्वरक्तम स्वराष्ट्रे रक्षतं' का भाव जगाने की अपील की।

शहीदों के परिवारीजनों का सम्मान

समारोह में चौरीचौरा जनाक्रोश के शहीदों के 99 परिवारीजनों को सम्मानित किया गया। सीएम के हाथों सम्मानित होने वालों में रामनवल पुत्र गजराज, ओम प्रकाश पुत्र गंगा, बालकिशुन पुत्र रमेश, गुलाब पुत्र हरिलाल, वीरेंद्र, राम आशीष पुत्र जयमंगल, मानसिंह यादव पुत्र अंबिका, हरिलाल पुत्र महादेव, सौदागर अली, कल्लन पुत्र हसमत, रामराज पुत्र सुखदेव, सत्या चरण पुत्र बब्बूलाल, दशरथ, रामनारायण तिवारी शामिल रहे।

99 शहीदों के परिवारीजनों को कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया

गर्व के पल

"आज हमरे दादा की आत्मा संतुष्ट हो गईल। दादा रुदाली के फांसी भइल रहल। 99 साल में अइसन सम्मान कबहुं न मिलल रहे। अब हमरे लइके भी गर्व महसूस करिहें। सत्या चरण, लक्ष्मणपुर

बाबा नजर अली पुत्र हुसैन को फांसी हो गई थी। उनके सम्मान में इतना बड़ा कार्यक्रम सरकार ने आयोजित कर हमें गौरव प्रदान किया है। अब हमारे बाबा की प्रतिमा भी गांव में लगाई जाए। जिससे हमारे पूर्वजों का मान बढ़े।

कल्लन अहमद, डुमरी खुर्द

पीएम नरेन्द्र मोदी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन संबोधित किया।

राष्ट्र राजनीति की हर सीमा से ऊपरः स्वतंत्र

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने चौरीचौरा शताब्दी दिवस के अवसर पर गुरुवार को लखनऊ स्थित शहीद स्मारक पहुंच कर देश के लिए प्राण-न्योछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि इस शताब्दी समारोह के आयोजन से भावी पीढ़ी चौरीचौरा के शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देगी। राष्ट्र की एकता, अखंडता व सम्मान, राजनीति की हर सीमा से ऊपर है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह शताब्दी समारोह शुरू किया गया है। चौरीचौरा की घटना स्वाधीनता आंदोलन में निर्णायक मोड़ थी। जिसने स्वाधीनता की एक ऐसी अलख जगाई जिसकी परिणीति आजादी में हुई। दुर्भाग्य है कि देश के लिए बलिदान देने वाले इन शहीदों को इतिहास में वह सम्मान नहीं दिया गया जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरे मनोयोग से कार्य कर रही है।

सौगात

दिव्यांगों को दी ट्राइसाइकिल

मंच के निकट ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस एतिहासिक अवसर पर 100 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की। सभी लाभार्थियों को सुरक्षा के मद्देनजर हेलमेट भी दिए।

श्रद्धा

सीएम ने स्मारक पर पुष्प अर्पित किए

मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। क्रांतिकारियों की पैरवी करने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय पर आधारित वृतचित्र 'महामना' का प्रदर्शन भी सीएम ने देखा।

प्रदर्शन

बच्चों ने थीम सॉन्ग प्रस्तुत किया

समारोह में प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ते ही मंच पर बच्चों ने चौरीचौरा थीम सांग 'चौरीचौरा के वीरों ने रचा नया इतिहास' पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। चौरीचौरा पर आधारित वृतचित्र भी प्रदर्शित हुआ।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान लखनऊ

प्रधानमंत्री ने कहा

सामूहिकता की शक्ति से भारत बड़ी ताकत बनेगा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चौरीचौरा के आंदोलन में किसानों की बड़ी भूमिका थी। क्रांति से जुड़े लोग अलग-अलग गांवों और पृष्ठभूमि के थे लेकिन वे सब मिलकर मां भारती की संतान थे। सामूहिकता की शक्ति से ही गुलामी की बेड़ियां तोड़ी गईं। वही शक्ति भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनाएगी। आत्मनिर्भर भारत दुनिया में दखल रखेगा। मोदी ने कृषि कानूनों को लेकर भी संदेश देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि किसान शुरू से देश की अर्थव्यवस्था का आधार रहा है। देश में मंडियों को किसानों के फायदे का बाजार बनाने की कोशिश हो रही है। बजट में 1000 मंडियों को ऑनलाइन जोड़ने का प्रावधान किया गया है।

पूरे विश्व की भलाई के लिए कर रहे हैं काम

पीएम ने कहा कि सामूहिकता की शक्ति आत्मनिर्भर भारत का अभियान है। इससे आज सिर्फ देश के 130 करोड़ नागरिक आत्मनिर्भर नहीं बन रहे, बल्कि हम पूरे विश्व की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। हमने कोरोना काल में 150 से अधिक देशों के लिए जरूरी दवाइयां भेजीं। भारत वैक्सीन बना रहा है। दुनिया के तमाम देशों को वैक्सीन भेजी जा रही है। यह सब देखकर आज स्वतंत्रता सेनानियों को गर्व की अनुभूति होती होगी। प्रधानमंत्री ने प्रदेश में लागू पीएम स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब गांवों की जमीन का एक-एक कागज उसके स्वामी को उपलब्ध कराया जा रहा है। जमीन के सही कागज होंगे तो उनका मूल्य तो बढ़ेगा ही, आसानी से कर्ज भी मिल जाएगा।

शहीदों को श्रद्धांजलि

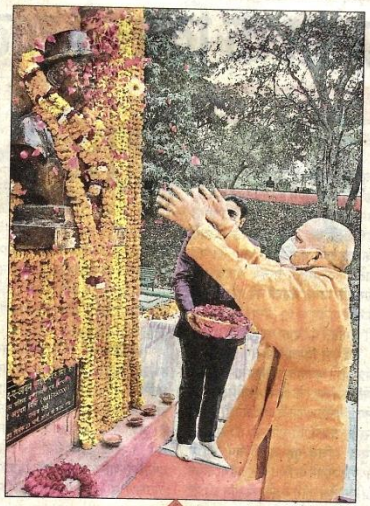

लखनऊ में गुरुवार को चौरीचौरा कांड के शताब्दी वर्ष समारोह पर मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने शहीद स्मारक पर फूल चढ़ाए।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान लखनऊ

गोरखपुर में चौरीचौरा शहीद स्मारक पर गुरुवार को आयोजित शताब्दी समारोह में शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

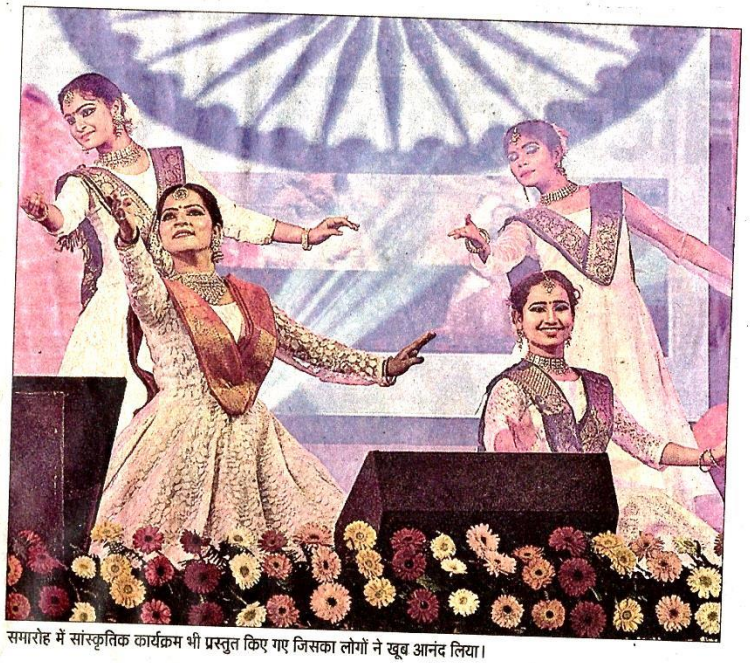

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए जिसका लोगों ने खूब आनंद लिया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 नवभारत टाइम्स लखनऊ

'बजट को वोटबैंक का बहीखाता बना दिया था पिछली सरकारों ने'

पीएम ने कहा-किसान सशक्त होगा तो प्रगति और तेज होगी

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चौरी चौरा शताब्दी समारोह का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने शहीदों को नमन करने के साथ ही हालिया बजट की उपलब्धियां गिनाईं। किसानों के लिए उठाए कदमों का खासतौर पर जिक्र किया और पुरानी सरकारों पर वादाखिलाफी के लिए निशाना साधा। मोदी ने कहा कि दशकों से बजट का मतलब यही हो गया था कि किसके नाम पर क्या घोषणा की गई। पिछली सरकारों ने बजट को वोटबैंक के हिसाब-किताब का बहीखाता बना दिया था। पीएम ने गोरखपुर के चौरी चौरा में 4 फरवरी, 1922 के घटनाक्रम के 100 साल पूरे होने पर विशेष डाक टिकट भी जारी किया।

चौरी चौरा शताब्दी समारोह

मोदी ने कहा कि आम आदमी भी घर खर्च का लेखा-जोखा वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों के हिसाब से बनाता है। लेकिन, पिछली सरकारों ने बजट को ऐसी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था जो कभी पूरी ही न हो सकें। देश ने अब वह सोच व एप्रोच बदल दी है। पीएम ने कहा कि जब हम बजट तैयार कर रहे थे तो कई दिग्गजों ने कहा कि टैक्स बढ़ाने ही होंगे, कोरोना के चलते आई दिक्कतों के कारण जनता पर बोझ डालना ही होगा। लेकिन, हमने नागरिकों पर कोई बोझ नहीं बढ़ाया।

चौरी चौरा के शहीदों को उचित सम्मान नहीं मिला: पीएम ने कहा कि 100 वर्ष पहले चौरी चौरा में जो हुआ, वह एक थाने में आग लगाने की घटना भर नहीं था। इसका संदेश बहुत बड़ा व व्यापक था। अनेक वजह से पहले जब भी चौरी चौरा की बात हुई तो उसे एक सामान्य आगजनी के तौर पर देखा गया। आग कैसे लगी, किन वजहों से लगी, यह भी समान तौर पर महत्वपूर्ण था। दरअसल आग जन-जन के दिलों में लगी थी। यह दुर्भाग्य है कि चौरी चौरा के शहीदों की जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हो पाई।

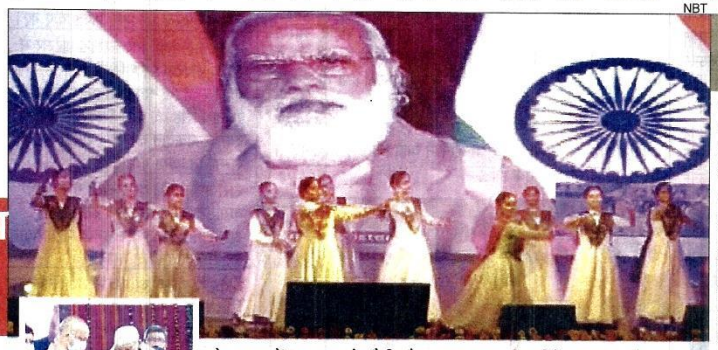

योगी सरकार की तारीफ : पीएम ने पूर्वांचल के विकास व इंसेफेलाइटिस पर काबू पाने के प्रयासों की भी जमकर तारीफ की। कहा कि इंसेफलाइटिस पर नियंत्रण को लेकर योगी के नेतृत्व में गोरखपुर के लोगों ने जो काम किया है, उसकी तारीफ दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं कर रही हैं। देखें ▸▸ पेज 2

गोरखपुर में गुरुवार को चौरी चौरा कांड शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुए समारोह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। (इनसेट) सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस कांड में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों (तस्वीर में राम नारायण तिवारी) को स्मृति चिह्न और शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

NBT

1.50 लाख लोगों ने सैल्यूट की मुद्रा में वंदेमातरम् गाकर बनाया रेकॉर्ड

एडीएम वित्त राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार से शुरू हुई मुहिम में पूरे प्रदेश से डेढ़ लाख से अधिक लोगों के सैल्यूट मुद्रा में वांदेमातरम् गाते हुए विडियो अपलोड हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस अभियान में शामिल हुए। अब गिनेस बुक ऑफ रेकॉर्ड अपलोड विडियो की स्क्रूटनी करेगा। इसके बाद रेकॉर्ड की घोषणा की जाएगी। अभी इंग्लैंड की एक संस्था के नाम यह रेकॉर्ड है।

'किसानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए'

मोदी ने कहा कि हमारे देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार किसान रहा है। चौरी चौरा आंदोलन में भी उनकी बड़ी भूमिका थी। कोरोना काल में किसानों ने अपना सामर्थ्य दिखाया। कृषि क्षेत्र आगे बढ़ा व रेकॉर्ड उत्पादन हुआ। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। मंडियां किसानों के फायदे का बाजार बनें, इसके लिए एक हजार और मंडियों को ई-नैशनल मिशन ऑफ एग्रीकल्चर (ई-नाम) से जोड़ा जाएगा। इससे किसान कहीं भी अपनी फसल बेच सकेगा। स्वामित्व योजना से कोई किसानों की जमीन पर बुरी दृष्टि नहीं डाल पाएगा।

'स्वावलंबन और स्वदेशी अपनाना सच्ची श्रद्धांजलि'

सीएम योगी ने कहा कि चौरी चौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र करवाने वाले बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है। देश के अंदर स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना इनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सीएम ने कहा कि सरकार ने 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े सभी स्मारकों और देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के स्मारकों पर प्रदेशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रमों की शृंखला शुरू की है। 'तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे ना रहें' का भाव जगाकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी ऑनलाइन जुड़ीं।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 नवभारत टाइम्स लखनऊ

शहीदों के परिवारों को सीएम ने किया सम्मानित

एनबीटी, गोरखपुर : मुख्यमंत्री ने शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारीजानों को सम्मानित कर उनका हालचाल पूछा। उन्होंने चौरीचौरा कांड के शहीद परिवारों के आश्रित रामनवल, ओम प्रकाश, बालकिशुन, गुलाब, वीरेंद्र, रामआशीष, मानसिंह यादव, हरिलाल, सौदागर अली, कल्लन पुत्र, रामराज, सत्या चरण, दशरथ, रामनारायण तिवारी को सम्मानित किया। सीएम ने 100 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकल भी दी। समारोह में पहुंचने के बाद योगी ने सबसे पहले चौरी चौरा शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। समारोह से जैसे ही प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से जुड़े स्कूली बच्चों ने चौरीचौरा थीम सॉनग 'चौरीचौरा के वीरों ने रचा नया इतिहास' पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। प्रधानमंत्री ने बच्चों की प्रस्तुति पर खुशी का इजहार करते हुए देर तक ताली बजाई।

'पूर्वजों की वजह से देश हमारा सम्मान कर रहा'

एनबीटी, गोरखपुर : शताब्दी समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारीजनों की खुशी देखने लायक थी। शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण, पूर्वजों के प्रति सरकार के सम्मान से वे अभिभूत हो गए। परिवारीजनों को जब मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया तो उन्होंने पूर्वजों को नमन किया कि आज उनकी वजह से देश हमारा सम्मान कर रहा है। गुलाब चौरसिया, मोहन राजभर, राम नारायण त्रिपाठी, कमला गुप्ता, शारदानंद यादव, मैनुद्दीन ने कहा कि इस आयोजन से सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

चौरीचौरा की आग से जगा आजादी का जज्बा : पीएम

दिल्ली से चौरीचौरा शताब्दी समारोह का पीएम ने किया वर्चुअल उद्घाटन

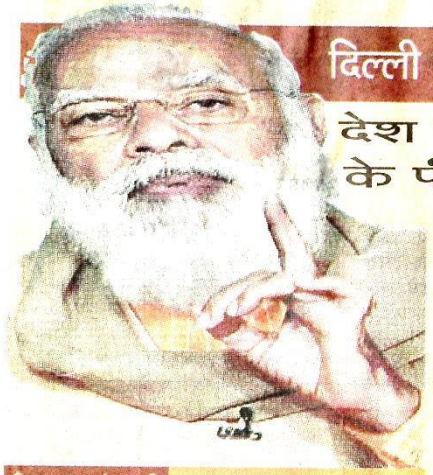

पीएम का भोजपुरी में अभिवादन

'हम गुरु गोरक्षनाथ की धरती के प्रणाम करत बानी'

100 वर्ष पहले चौरीचौरा में जो हुआ वह सिर्फ न तो एक आगजनी की घटना थी न ही थाने को आग लगाने की। उसका संदेश व्यापक था। आग थाने में नहीं बल्कि जन-जन के दिलों में प्रज्वलित हो चुकी थी जो बाद में बढ़ती ही चली गई : **प्रधानमंत्री**

देश की तरक्की के पीछे किसान

■ लखनऊ/गोरखपुर (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौरीचौरा जनाक्रोश के दौर में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार के पहले किसानों को वोट बैंक का वही खाता समझा जाता था। बजट में उनके लिए कुछ लोगों के नाम पर आधारित ऐसी घोषणाएं की जाती थीं, जो कभी पूरी ही नहीं होती थीं। सोच बदल गई तो अप्रोच बदल गई। कोरोना काल की चुनौतियों के बीच इस बार हमने ऐसा बजट दिया है जो इन चुनौतियों के समाधान को नई तेजी देगा।

प्रधानमंत्री बृहस्पतिवार को आजादी के आंदोलन को निर्णायक दिशा देने वाले चौरीचौरा जनाक्रोश शताब्दी समारोह के शुभारंभ के मौके पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित किया और विशेष डाक टिकट भी जारी किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े पीएम मोदी ने कहा कि चौरीचौरा आंदोलन में किसानों की बड़ी भूमिका रही है। आज भी हमारी प्रगति का आधार किसान ही हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार बजट में ग्रामीण क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड बढ़ाकर 40 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। 1000 नई व आधुनिक मंडियों की व्यवस्था की जा रही है। इसका फायदा किसानों को मिलेगा। वह आत्मनिर्भर बनेंगे। खेती फायदे का सौदा होगी। उन्होंने

वोट बैंक का बहीखाता होते थे पिछली सरकारों के बजट : मोदी

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह भी गांव और किसान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गांव में लोगों के पास अपनी जमीन और मकान के कागज होंगे तो कोई बुरी दृष्टि नहीं डाल पाएगा, कर्ज भी आसानी से मिलेगा। उन्होंने कहा कि चौरीचौरा शताब्दी समारोह के माध्यम से यह वर्ष हमारे लिए संकल्प का वर्ष होगा, अधूरे सपनों को पूरा करने का वर्ष होगा। अमर बलिदानियों की शहादत इस संकल्प को पूरा करने में हमारे लिए प्रेरणा बनेगी।

स्वदेशी, स्वावलंबन व स्वच्छता का भाव ही सच्ची श्रद्धांजलि : योगी

जनाक्रोश ने स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी थी

■ लखनऊ/गोरखपुर (एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौरीचौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र कराने वाले हुतात्माओं व बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है। देश के अंदर स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को चौरीचौरा स्मारक स्थल पर शताब्दी समारोह के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

(विवरण पेज 7 पर)

- पीएम ने मुक्तकंठ से की सीएम योगी की सराहना
- चौरीचौरा की घटना को पर्व के रूप में मनाना चाहिए : दिनेश
- वंदेमातरम् गायन का बना विश्व रिकार्ड -पेज 7

चौरीचौरा कांड

चार फरवरी, 1922

- पुलिस की गोली से तीन सेनानी शहीद हो गए थे, ब्रिटिश हुकूमत ने 228 पर मुकदमा चलाया था
- 225 को विभिन्न प्रकार से मुकदमा चलाकर सजा दी थी
- 19 को मृत्युदंड, 14 को आजीवन कारावास, 19 को आठ वर्ष, 57 को पांच, 20 को तीन एवं तीन को दो साल की सजा हुई थी
- बाबा राघव दास और महामना मदन मोहन मालवीय के प्रयास से 150 लोगों को फांसी से बचा लिया गया था

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

पीएम ने मुक्तकंठ से की सीएम योगी की सराहना

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।

चौरी-चौरा शताब्दी समारोह

संबोधन की शुरूआत भोजपुरी में कर मोदी ने लोगों का दिल जीता

योगी सरकार पूरे साल शहीदों की याद में करेगी कार्यक्रम

चौरीचौरा शताब्दी समारोह का आयोजन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि चौरी-चौरा की घटना महज एक थाने में आगजनी की घटना नहीं थी, बल्कि यह आग जन-जन के मन में प्रज्ज्वलित हो चुकी थी। आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश करते समय चौरीचौरा शताब्दी समारोह और प्रासंगिक है। इतिहास में ऐसी घटनाएं कम ही मिलती है जब एक ही मामले में 19 लोगों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया हो। आज बाबा राघव दास और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को भी याद करने का अवसर है जिन्होंने अपने प्रयासों से करीब 150 लोगों को फांसी से बचा लिया।

अपने संबोधन की शुरूआत भोजपुरी में कर पीएम मोदी ने लोगों का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा कि भगवान शिवअवतारी गोरखनाथ की धरती के परनाम करत बाटी। देवरहा बाबा के आशीर्वाद से ई जिला खूब आगे बढ़त बा। चौरीचौरा के महान लोगन के स्वागत करत बाटी। आप सबन के नमन करत बाटी। पीएम ने कहा कि योगी सरकार इस आयोजन के जरिये पूरे साल शहीदों की याद में कार्यक्रम करने जा रही है। उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि वे देश के लिए शहीद हुए, उनके कारण हम स्वतंत्र हुए। वे देश के लिए मर सके, हम देश के लिए जीने का संकल्प लें। उन्हें सौभाग्य मिला देश के लिए मरने का, हमें सौभाग्य मिला है देश के लिए जीने का।

वर्चुअल माध्यम से 'चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव' पर केन्द्रित डाक टिकट का विमोचन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

बदलाव और विकास की पेश की तस्वीर : उन्होंने कहा कि यहां कारखाने बन्द थे, सड़कें खस्ताहाल थीं, अस्पताल खुद बीमार थे। आज खाद कारखाना है, एम्स और मेडिकल कॉलेज लोगों को संजीवनी देने को है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे है। जीवन निगलने वाली बीमारी इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण करने वाले योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा आज दुनिया कर रही है। गोरखपुर से 8 बड़े शहरों के लिए फ्लाइट सेवा है, कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट शुरूहोने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में हमने 150 देशों के नागरिकों की मदद के लिए दवा भेजी। अपने 50 लाख से अधिक नागरिकों को स्वदेश बुलवाया। आज भारत न केवल तीव्र गति से टीकाकरण अभियान चला रहा बल्कि दुनियाभर को वैक्सीन दे रहा है।

चौरी-चौरा की घटना ने देश की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/गोरखपुर।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौरी-चौरा शताब्दी समारोह देश को स्वतंत्र कराने वाले हुतात्माओं व बलिदानियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करने का समारोह है। देश के अंदर स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सीएम बृहस्पतिवार को चौरी-चौरा स्मारक स्थल पर शताब्दी समारोह के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। 4 फरवरी 1922 को चौरी-चौरा के जनाक्रोश ने स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी थी। चौरीचौरा से देश को आजाद कराने का अमूल्य संघर्ष प्रारंभ हुआ था। पुलिस की गोली से तीन सेनानी शहीद हो गए थे। ब्रिटिश हुकूमत ने 228 पर मुकदमा चलाया था। 19 को मृत्युदंड, 14 को आजीवन कारावास और अन्य को 8, 5 वर्ष के कारागार की सजा हुई थी।

स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वच्छता का भाव लाना शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी

सीएम ने कहा कि पीएम की प्रेरणा व मार्गदर्शन से समारोह हो रहा है। 1857 से लेकर 1947 तक स्वाधीनता संग्राम से जुड़े सभी स्मारकों, सीमा पर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के स्मारकों पर आज प्रदेशभर में शहीदों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने के कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई है। सभी स्मारकों पर पुलिस बैंड से राष्ट्र भक्ति के कार्यक्रम व दीपोत्सव होंगे। विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करने और 1857 से लेकर 1947 तक के स्वाधीनता इतिहास साहित्य से जुड़ी प्रदर्शनी के साथ ही विशिष्ट शोध को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन के साथ ही हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना है। सबने देखा है कि पीएम के स्वच्छ भारत मिशन के चलते हम इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित करने में सफल हुए है। यह सफलता की नई मिसाल है। आज भारत पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी प्रेरणा से तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह कहते हुए शहीदों को नमन किया, 'तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहे ना रहें।' उन्होंने लोगो से 'स्वरक्तम स्वराष्ट्रे रक्षतं' का भाव जगाने की अपील की। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल राजभवन लखनऊ से ऑनलाइन जुड़ी।

सीएम ने शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

चौरीचौरा जनाक्रोश के शताब्दी समारोह के अंतर्गत 4 फरवरी 2022 तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर मुख्य समारोह स्थल पर चौरीचौरा जनाक्रोश के शहीदों के परिजनों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया। सीएम ने इन सभी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया। सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर दिव्यांगजन को मोटर चालित ट्राई साइकिल भी वितरित की। मुख्य समारोह मंच पर आने से पूर्व सीएम ने स्मारक स्थल पर वंदेमातरम के गायन में भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर उन्होंने महामना पर बनाये गये वृतचित्र को भी देखा। इसके पहले गोरखपुर के प्रभारी मंत्री रमापति शास्त्री, बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान व चौरीचौरा की विधायक संगीता यादव ने किया। उप्र के पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. नीलकंठ तिवारी ने सीएम को चौरीचौरा शताब्दी समारोह के 'लोगो' का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सीएम योगी आदित्यनाथ का अभिनन्दन किया। डॉ तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

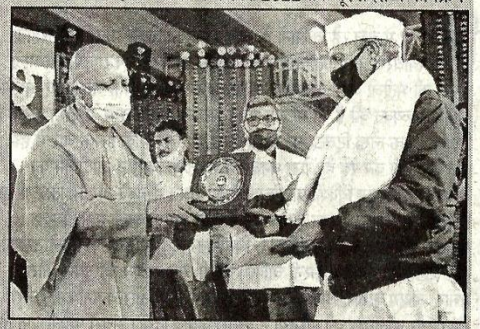

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

शहीदों के सम्मान में बदली ट्विटर प्रोफाइल

गोरखपुर (एसएनबी)। चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के अवसर पर योगी आदित्यनाथ के ऑफिसिएल ट्विटर अकाउंट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदलकर चौरी चौरा के शहीदों को नमन किया है। चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव के 'लोगो' में राष्ट्र भक्ति का संदेश है।

चौरीचौरा महोत्सव के 'लोगो' को प्रोफाइल पिक्चर बनाकर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बृहस्पतिवार को देश की स्वतंत्रता में अहम योगदान रखने वाले चौरा चौरी की घटना के शताब्दी वर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में गोरखपुर में चौरी चौरा महोत्सव का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके बाद योगी आदित्यनाथ के ऑफिसियल ट्विटर एकाउंट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर भी बदल दी। प्रोफाइल पिक्चर के तौर पर चौरी चौरा महोत्सव के शताब्दी वर्ष का 'लोगो' लगाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी डाक टिकट में भी चौरी चौरा शताब्दी वर्ष के लोगो का इस्तेमाल किया है। यह 'लोगो' राष्ट्र भावना से ओतप्रोत है, जिसमें संस्कृत भाषा में 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत' लिखा हुआ है। जिसका अर्थ है कि 'हम अपने रक्त से अपने राष्ट्र की रक्षा करते है। प्रदेश में ऐसा पहली बार हो रहा है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पूरे प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया जा रहा है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

सेनानियों की शहादत को राष्ट्रीय फलक दे रही भाजपा

राकेश कुमार सिंह

- चौरीचौरा कांड के शताब्दी समारोह की भव्यता के साक्षी बने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- वर्ष पर्यन्त शहीदों की स्मृति में आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

आजादी की लड़ाई को नई दिशा देने वाले पूर्वांचल में हुए चौरीचौरा कांड के शताब्दी समारोह के बहाने केन्द्र से लगायत प्रदेश तक में राज्य कर रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार सेनानियों के त्याग, बलिदान और शहादत को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने में जी जान से जुट गयी है।

इसकी शुरुआत आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने वर्चुअल सभाओं से की तो सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद समारोह स्थल चौरीचौरा में मौजूद रहे। इन सभी ने इस मौके पर शहीदों और किसानों की खूब हौशला आफजाई की और जमकर इनका उत्साहवर्धन किया। आगामी 4 फरवरी 2022 को चौरीचौरा कांड के 100 पूरे होने जा रहा है। इस कांड में अंग्रेजी हुकूमत को दहला दिया था। रोलेक्ट एक्ट-1919 व खिलाफत आंदोलन के समर्थन में सन् 1922 में इसी चौरीचौरा के भोपा बाजार में विदेशी कपड़ों व वस्तुओं के बहिष्कार से जो चिन्गारी निकली उसका परिणाम यह हुआ कि उग्र ग्रामीणों ने पुलिस की ओर से गोलियां चलाये जाने पर पूरा थाना ही फूंक दिया था। पुलिस की गोलियों से तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी तो सरपत और मूंज में मिट्टी का तेल मिलाकर थाने को जला दिया गया था जिसमें थानाध्यक्ष समेत 23 लोगों की मौत हुई थी। तब तत्कालीन अंग्रेज शासकों ने चौरीचौरा और आसपास के इलाकों में मार्शल लॉ लगा दिया था। 200 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए जिन पर आगजनी, लूट व हत्या का मुकदमा चला। इस कांड में 172 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गयी थी, जिसकी पैरवी हाईकोर्ट इलाहाबाद में महामना मदन मोहन मालवीय ने की थी। उनकी पैरवी के चलते 19 को फांसी की सजा से मुक्ति नहीं मिली लेकिन 110 लोगों को आजीवन कारावास हुआ तो 38 लोगों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया था।

इस शताब्दी समारोह के दौरान वर्ष पर्यन्त सरकार आजादी के ज्ञात-अज्ञात शहीदों व ऐसी घटनाओं का सर्वेक्षण व शोध भी कराने जा रही है। वर्ष भर शहीदों स्मारकों पर द्वीप प्रज्वलित होगा। चौरीचौरा के साथ ही विठुर मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज व काकोरी (लखनऊ) में ध्वनि प्रकाश कार्यक्रम आयोजित होंगे। सेनानियों की फोटो प्रदर्शनी लगायी जाएगी।

वंदे मातरम् का संवेत गायन कर विश्व रिकार्ड बनाने की तमन्ना है तो वहीं चौरीचौरा कांड में सूबे में 10वीं के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मंजूरी मिल चुकी है। इस मुद्दे पर सरकार की मंशा स्पष्ट है कि वह चौरीचौरा कांड को राष्ट्रीय फलक पर व्यापक स्वरूप देने की तैयारी में जुट गयी है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

किसानों के घर, जमीन पर कोई बुरी निगाह नहीं डाल सकता : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने आंदोलन के बीच चौरीचौरा शताब्दी समारोह के उद्घाटन पर किसानों को किया आश्वस्त

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के घर, जमीन पर कोई बुरी निगाह नहीं डाल सकता है। सारी कवायद देश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए की जा रही है। किसान आत्मनिर्भर बनेंगे तो देश और तेजी से विकास करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चौरीचौरा शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। डाक टिकट जारी करने के बाद 24 मिनट 12 सेकंड के संबोधन में पांच मिनट तक किसानों की भलाई पर बोलते रहे।

शहीदों को नमन कर बोले- सारी कवायद किसानों की आय बढ़ाने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की

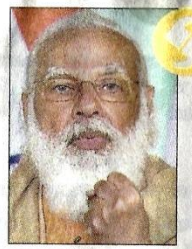

केंद्र ने यूपी में भी प्रधानमंत्री स्वामित्व किसान योजना की शुरुआत की है। जब जमीन व घर के सही कागज होंगे तो बाजार दर से कीमत तय होगी। बैंक आसानी से ऋण देंगे। गांव के लोगों के घर, जमीन पर कोई अपनी बुरी दृष्टि नहीं डाल पाएगा। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

किसान आगे बढ़ें और आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए छह सालों से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कोरोना महामारी की चुनौतियों के बीच भी कृषि क्षेत्र मजबूती से आगे बढ़ा है। हमारा किसान और सशक्त होगा तो कृषि क्षेत्र में प्रगति और तेज होगी। इसके लिए आम बजट में कई कदम उठाए गए हैं। सारे फैसले किसानों को आत्मनिर्भर बनाएंगे। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ चौरीचौरा में मौजूद रहे जबकि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल वेब लिंक से जुड़ीं।

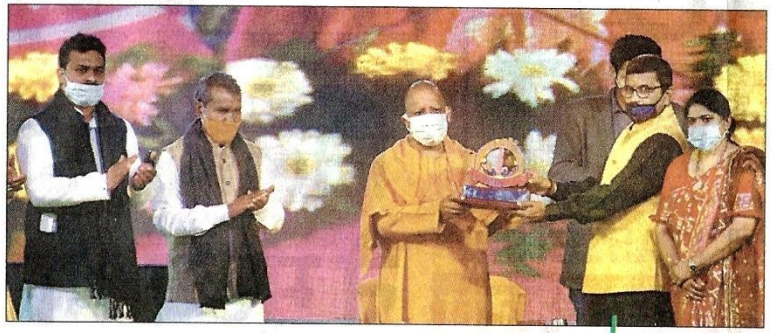

गोरखपुर में चौरीचौरा स्थित शहीद स्मारक के पास आयोजित महोत्सव में सीएम योगी को स्मृति चिह्न दिया गया।

सीएम ने ट्विटर हैंडल पर लगाया चौरीचौरा का लोगो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने चौरीचौरा जनाक्रोश के शहीदों के सम्मान में अपनी डीपी बदल दी। सीएम ने बृहस्पतिवार को ट्विटर पर लगी अपनी फोटो वाली डीपी को हटाते हुए चौरीचौरा के लोगो को 15 घंटे के लिए डीपी बनाया। यह पहला मौका है जब शहीदों के सम्मान में किसी मुख्यमंत्री ने अधिकृत ट्विटर हैंडल से अपनी डीपी हटा कर शहादत का लोगो लगाया है।

योगी बोले- आजादी से जुड़े शोध को बढ़ावा देगी सरकार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को चौरीचौरा स्थित शहीद स्मारक के पास आयोजित चौरीचौरा शताब्दी समारोह के दौरान कहा कि वर्ष 1857 से लेकर 1947 तक स्वतंत्रता आंदोलन पर शोध को प्रदेश सरकार बढ़ावा देगी। इसकी शुरुआत चौरीचौरा शताब्दी समारोह से की जा रही है। चौरीचौरा की घटना ने देश की स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी थी।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े साहित्य की प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विशिष्ट शोध को बढ़ावा देने का काम सरकार शुरू कर रही है। यह कार्यक्रम स्वदेशी और स्वावलंबन की भावना से ओतप्रोत है। इस भाव से ही हम आत्मनिर्भर भारत अभियान की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न विद्यालयों में वर्ष भर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी लेखन, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के आयोजन किए जाएंगे।

>> सम्मान पाकर भावुक हुए शहीदों के परिजन : पेज 7

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

सम्मान पाकर भावुक हुए शहीदों के परिजन

चौरीचौरा शताब्दी समारोह में शहीदों के 17 परिजनों को सीएम योगी ने किया सम्मानित, 102 परिवारों को मिला सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। चौरीचौरा महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर शहीदों के 17 परिजनों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। परिजनों ने कहा कि यह हमारा नहीं बल्कि हमारे पुरखों के बलिदान का सम्मान है।

उनकी आंखें नम थी लेकिन मस्तक गर्व से ऊंचा था। हो भी क्यों न, वर्चुअल रूप से जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके पुरखों की शहादत को हाथ जोड़कर नमन कर रहे थे। परिजनों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह क्षण हमारे जीवन की धरोहर है। फांसी का फंदा चूमकर हमारे पुरखों ने सौ साल पहले देश को स्वतंत्र कराने में जो योगदान किया था आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुल शहीदों के 102 परिजनों को सम्मानित किया गया। सीएम के हाथों सम्मान पाकर परिजन भावुक हो गए। चौरीचौरा शताब्दी समारोह के तहत 4 फरवरी 2022 तक पूरे प्रदेश में कार्यक्रम होंगे। ब्यूरो

चौरीचौरा शताब्दी समारोह में शहीद झिंगनु की पौत्रवधू सावित्री देवी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समारोह देखने के लिए उमड़े लोग।

बोले परिजन-बलिदानियों को जान सकेगा अब पूरा देश

इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं। आज पूरा क्षेत्र हमारे पूर्वजों के सम्मान में खड़ा है। बहुत ही अभिभूत हूं, इससे ज्यादा अब कुछ नहीं बयां कर सकता। - **गुलाब चौरसिया,** मुंडेरा बाजार, शहीद रामरूप के पौत्र

पूर्वज के बलिदान को इस तरह सम्मान मिलने से अभिभूत हूं। सम्मान तो पहले भी मिला लेकिन इस तरह पूरा देश नहीं देख पाया था। अब पूरे देश के लोग पूर्वजों के त्याग के बारे में जान सकेंगे। - **हरिलाल मौर्य,** रामपुर रकबा, शहीद इंद्रजीत के पौत्र)

सुबह से ही गांव में लोग बधाई दे रहे हैं। योगी जी ने सम्मान देकर पूर्वजों के बलिदान को गौरवान्वित किया है। बहुत खुशी हुई कि हम लोगों की सरकार ने सुध ली है। - **सावित्री देवी,** मुंडेरा बाजार, शहीद झिंगनु, की पौत्र वधू

मेरे दादा ने देश के लिए जो बलिदान दिया था उसे सरकार नमन कर रही है, इससे बड़ा सम्मान मेरे लिए कुछ नहीं हो सकता। इस पल के इंतजार में रात भर मैं सो नहीं पाया। - **रामनवल,** रूदलापुर खोराबार, शहीद चमरू के पौत्र

योगी बोले- स्वतंत्रता आंदोलन को चौरीचौरा ने दी एक नई दिशा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौरीचौरा की घटना ने देश की स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी थी। चार फरवरी 1922 को देश की स्वतंत्रता के लिए पुलिस और स्थानीय जनता के बीच संघर्ष शुरू हुआ जिसमें पुलिस की गोली से तीन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद हो गए थे। ब्रिटिश हुकूमत ने इस घटना के बाद 228 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के खिलाफ मुकदमा चलाया था जिसमें 225 सेनानियों को विभिन्न प्रकार की सजा दी गई थी। यह घटना देश के स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा देने वाली साबित हुई।

तीन सौ रुपये है चौरीचौरा शताब्दी वर्ष पर जारी विशेष डाक टिकट शीट का मूल्य

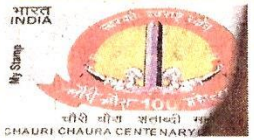

गोरखपुर। चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के मौके पर जारी किए गए विशेष डाक टिकट की 5 हजार शीट्स मुद्रित (प्रकाशित) की गयीं हैं, जिनमें कुल 60 हजार डाक टिकट हैं। पोस्टमास्टर जनरल वाराणसी कृष्ण कुमार यादव तथा पोस्टमास्टर जनरल गोरखपुर आकाश दीप चक्रवर्ती ने बताया कि इस कस्टमाइज्ड डाक टिकट शीट व विशेष आवरण का मूल्य क्रमशः रु. 300/- तथा रु. 25/- रखा गया है। फिलेटलिक ब्यूरो, प्रधान डाकघर के साथ-साथ चौरी डाकघर से भी ये बिक्री किये जायेंगे। शहीद स्मारक स्थित कार्यक्रम स्थल पर उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल कौशलेंद्र कुमार सिन्हा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को डाक टिकट व आवरण का विशेष सेट भेंट किया। चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि चौरीचौरा घटना का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व है और इसकी शताब्दी पर जारी कस्टमाइज्ड डाक टिकट के माध्यम से न सिर्फ वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी इसे व्यापक परिप्रेक्ष्य में देख सकेंगी। संवाद

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

पीएम ने मुख्यमंत्री की जमकर की तारीफ

पीएम ने चौरीचौरा शताब्दी महोत्सव के लिए मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व वाली यूपी सरकार की प्रशंसा की और कहा कि जब आजादी के 75वें वर्ष में देश प्रवेश कर रहा है तो यह समारोह इसे और प्रासंगिक बना देता है। लोक कला, संस्कृति और आत्मनिर्भरता को इस महोत्सव से जोड़ने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री के इस प्रयास से लोग चौरीचौरी का सच जान सकेंगे साथ ही इतिहास के पन्नों में जो तथ्य वर्षों तक दर्ज नहीं हो सके अब उन्हें सुधारा जाएगा। पीएम ने कहा कि देश को आजादी दिलाने के लिए खून बहाने वाले शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अब ऐसी परिस्थिति नहीं मगर हमें कम से कम अपने देश के लिए जीने का संकल्प तो जरूर लेना चाहिए।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

बजट पहले वोट बैंक के हिसाब-किताब का बही खाता था, अब विकास का प्रतीक : मोदी

महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार।

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौरी चौरा शताब्दी समारोह के उद्घाटन पर विपक्ष पर निशाना साधा और आम बजट की खुले मन से सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों से हमारे देश में बजट का मतलब बस इतना था कि किसके नाम पर क्या घोषणा कर दी गई। पूर्ववर्ती सरकारों के समय बजट सिर्फ वोट बैंक के हिसाब-किताब का बही खाता भर था मगर भाजपा सरकार में यह विकास की राह प्रशस्त करने का प्रतीक है।

पहले की सरकारों ने बजट को ऐसी घोषणाओं का माध्यम बना दिया था जो वे कभी पूरी ही नहीं कर पाते थे। मगर अब सोच बदल गई है। भाजपा सरकार जो वादे करती है, उसे पूरा करके भी दिखाती है। लंबे समय तक महामारी से लड़ने के बाद भी बजट में आम आदमी पर कर का कोई भार नहीं बढ़ा बल्कि सरकार ने विकास पर खर्च बढ़ाया है। ब्यूरो

हर जिले में बनेगी आधुनिक टेस्टिंग लैब

पीएम ने कहा कि सभी जिलों में आधुनिक टेस्टिंग लैब बनाई जाएगी। जिलों में ही टेस्टिंग की व्यवस्था रहेगी। इस बार स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया गया है। सरकार की मंशा है कि गांव, कस्बे में इलाज की ऐसी व्यवस्था हो कि शहरों की तरफ भागने की जरूरत न पड़े। शहरों के अस्पतालों में इलाज कराने में दिक्कत न आए। कोरोना वायरस की चुनौतियों से भारत मजबूती से लड़ा है। इसकी दुनिया भर में तारीफ हुई है।

लाखों युवाओं को मिलेगा रोजगार

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए खर्च पर ज्यादा जोर है। अब सड़कें चौड़ी होंगी। गांव को शहरों, बाजार व मंडियों से जोड़ने का काम चल रहा है। नए पुल बनेंगे। रेल की पटरियां बिछेंगी। नई रेल व बसें चलेंगी। शिक्षा व्यवस्था और बेहतर होगी। युवाओं के लिए बेहतर व्यवस्था बने, इसके लिए बजट में अनेक फैसले हैं। जब सरकार निर्माण पर ज्यादा खर्च करेगी तो लाखों युवाओं को नौकरी मिलेगी। आय बढ़ेगी।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 जागरण लखनऊ

उत्सव के रूप में मना चौरी-चौरा कांड का शताब्दी वर्ष

शहरभर में हुए आयोजन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहीद स्मारक पर दी पुष्पांजलि, विद्यार्थियों ने निकाली प्रभातफेरी

जागरण संवाददाता, लखनऊ: अपने प्राण न्यौछावर कर देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर शहीदों को गुरुवार को शहर ने नमन किया। चौरी-चौरा कांड के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत शहीद स्मारक पर आयोजन किया गया। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और मेयर संयुक्ता भाटिया ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि दी और दीपदान किया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्ववर्ती विपक्ष की सरकारों ने देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले शहीदों को इतिहास में वह स्थान व सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। चौरी-चौरा जनविद्रोह शताब्दी दिवस पर भाजपा के स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए स्वतंत्रदेव ने शहीदों के सम्मान में सरकार द्वारा किए कार्यों की सराहना की।

उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि चौरी-चौरा की घटना ने आजादी के आंदोलन में पूरे देश का वातावरण बदलकर रख दिया था। इसे कांड के रूप में नहीं, पर्व के रूप में देखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम में क्रांतिकारी काला पानी की सजा पाए डा. शंकर लाल सिंघल के पुत्र डा. बीबी सिंघल पौत्र नितिन सिंघल का सम्मान किया गया। डा. शब्बीर, कारगिल शहीद कैप्टन मनोज पांडेय के पिता गोपीचंद्र पांडेय आदि को सम्मानित किया।

नकारात्मक भूमिका में विपक्ष : किसान आंदोलन को लेकर पूछे गए मीडिया के सवालों पर डिप्टी सीएम ने कहा कि मुद्दाविहीन विपक्ष नकारात्मक भूमिका में है।

बच्चों ने निकाली प्रभातफेरी: चौरी-चौरा कांड के शताब्दी दिवस पर गोमतीनगर में स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। मनोज पांडेय चौराहे पर शहीद कैप्टन मनोज पांडेय की प्रतिमा पर लोगों ने माल्यार्पण किया। आर्यकुल ग्रुप आफ कालेज के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष समारोह के तहत शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में दीपदान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री डॉ.दिनेश शर्मा व महापौर संयुक्ता भाटिया • जागरण

मुख्यमंत्री कार्यालय के ट्विटर डीपी पर भी चौरी-चौरा का लोगो

राब्यू, लखनऊ : चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारिक ट्विटर एकाउंट की डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) भी बदल गई है। इसमें पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो लगी थी, जिसके स्थान पर गुरुवार को चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव का लोगो लगा दिया गया। इस पर सूत्र वाक्य- स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत अर्थात हम अपने रक्त से अपने राष्ट्र की रक्षा करते हैं, लिखा है।

शताब्दी समारोह बलिदानियों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का अवसर : मुख्यमंत्री

जासं, गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि चार फरवरी, 1922 को चौरी चौरा में हुए जनाक्रोश ने न केवल स्वाधीनता आंदोलन की दिशा बदल दी, बल्कि देश को आजाद कराने का अमूल्य संघर्ष भी यहीं से शुरू हुआ। यह शताब्दी समारोह उन हुतात्माओं और बलिदानियों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का अवसर है। गुरुवार को चौरी चौरा शताब्दी समारोह के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस आयोजन को शुरू करने की प्रेरणा हमें पीएम मोदी से मिली। राज्यपाल को आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले जवानों को श्रद्धा निवेदित करने की श्रृंखला आज से शुरू होगी। स्मारक स्थलों पर तिथि विशेष को जहां घटना से संबंधित कार्यक्रम होंगे, वहीं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा। सीएम ने शहीद स्मारक स्थल का निरीक्षण कर स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित करके बलिदानियों को नमन किया। मुख्य मंच से शहीदों के स्वजन को सम्मानित कर स्मृतिचिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान किया। यहां दिव्यांगजन को मोटर चालित ट्राई साइकिल भी दी। पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. नीलकंठ तिवारी ने चौरी चौरा शताब्दी समारोह के लोगो का स्मृतिचिह्न देकर सीएम का अभिनंदन किया।

लविवि के शिक्षक डा. अशोक ने तैयार किया चौरी-चौरा लोगो का स्लोगन

जासं, लखनऊ : 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्' चौरी-चौरा दिवस पर राज्य सरकार की ओर से जारी लोगों पर लिखे इस स्लोगन को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अशोक कुमार शतपथी ने तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आग्रह पर संस्कृति विभाग ने स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी इनको दी थी।

डा. अशोक कुमार शतपथी बताते हैं कि संस्कृति विभाग ने चौरी-चौरा दिवस पर लोगो के लिए स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। कहा गया था कि स्लोगन राष्ट्रभक्ति, राष्ट्र भावना युक्त तथा वीर रस से जुड़ा होना चाहिए। उसी को ध्यान में रखकर वीर रस को दर्शाते हुए स्लोगन तैयार किया। स्लोगन 'स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत्' अर्थात अपने रक्त के बलिदान से अपने राष्ट्र की रक्षा करनी चाहिए। इसमें वीर रस दिखाते हुए राष्ट्र प्रेम के भाव को दिखाया गया है। इस स्लोगन में अनुष्टुप छंद की लय है। इससे श्लोक भी तैयार किया जा सकता है। डा. शतपथी बताते हैं कि चौरी-चौरा दिवस पर जारी किए गए लोगो में स्लोगन का शामिल होना बहुत ही गर्व की बात है। गौरतलब है कि डा. अशोक लविवि के संस्कृत विभाग में वर्ष 2011 से असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में पढ़ा रहे हैं।

लोगो पर लिखा स्लोगन और प्रो. डा. अशोक शतपथी। • सौ. लविवि

कैनवास पर दिखेंगी चौरी-चौरा और काकोरी कांड की स्मृतियां

लखनऊ : राज्य ललित कला अकादमी में गुरुवार से पांच दिवसीय मूर्तिशिल्प शिविर की शुरुआत हुई। चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में प्रदेश के 10 मूर्तिकार हिस्सा ले रहे हैं। शिविर में मूर्तिकार स्वातंत्र्य वीर अर्चन विषय पर चौरी-चौरा और काकोरी कांड की स्मृतियों को कैनवास पर उकेरेंगे। उद्घाटन मुख्य अतिथि काकोरी कांड के क्रांतिवीर रामकृष्ण खत्री के पुत्र उदय खत्री, विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण विभाग के विशेष सचिव डा. चंद्रभूषण, अध्यक्ष सीताराम कश्यप ने किया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

चौरीचौरा ने अंग्रेजी शासन को दी थी चुनौती

चौरीचौरा घटना के शताब्दी समारोह पर शहर में कई जगह आयोजन, अमर शहीदों को किया नमन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। चौरीचौरा के जन आंदोलन की चिंगारी ने समूचे देश में आजादी की नई अलख जगाई थी। राष्ट्रभक्तों ने ब्रिटिश साम्राज्य के प्रतीक थाने को ध्वस्त कर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। इस जन आंदोलन ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये बातें बृहस्पतिवार को शहीद स्मारक स्थल पर चौरीचौरा घटना के शताब्दी महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहीं।

उन्होंने कहा कि ये घटना आकस्मिक थी, जिसमें अंग्रेजी शासनकाल की दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक उग्र प्रदर्शन हुआ। घटना ने अंग्रेजी शासन प्रणाली को मुंहतोड़ जवाब दिया। घटना आजादी की लड़ाई का वह मुकाम थी, जिसने शासन प्रणाली को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर उन्होंने महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा घटना में सजा पाए लोगों को फांसी कि सजा से बचाए जाने में किए गए सराहनीय प्रयासों का भी जिक्र किया। अवसर पर शहीद स्मृति स्थल एवं शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की। परमवीर चक्रस् विजेता शहीद मनोज पांडे के पिता गोपीचंद्र पांडे, काला पानी की सजा पाने वाले डॉ. शंकर लाल सिंघल के पुत्र डॉ. बीबी सिंघल, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मो. शब्बीर को सम्मानित किया। कार्यक्रम में महापौर संयुक्ता भाटिया, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारीजन मौजूद रहे।

चौरीचौरा घटना के शताब्दी समारोह पर बृहस्पतिवार को शहीद स्मारक पर दीपदान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, महापौर संयुक्ता भाटिया।

छात्रों ने निकाली प्रभातफेरी

लखनऊ। चौरीचौरा घटना के शताब्दी समारोह पर शहर के कई स्कूली बच्चों ने प्रभातफेरी निकालकर अमर शहीदों को याद किया। कानपुर रोड स्थित सिटी मोन्टेसरी स्कूल के छात्रों ने देशभक्ति नारों के साथ प्रभातफेरी निकाली। साथ ही देश की सुरक्षा एवं विकास को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक एकता व शांति की अलख जगाई। इस अवसर पर स्कूल के संस्थापक डॉ. जगदीश गांधी, वरिष्ठ प्रधानाचार्या डॉ. विनीता कामरान समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। बल निकुंज के सभी शाखा के छात्रों ने हाथ में तिरंगा लेकर वंदे मातरम का गायन करते हुए प्रभातफेरी निकाली। इसमें प्रबंध निदेशक एचएन जायसवाल, प्रधानाचार्या अनूप कुमारी शुक्ला, सुधीर मिश्रा, आशीष श्रीवास्तव समेत कई मौजूद रहे। अमीनाबाद इंटर कॉलेज में छात्रों व शिक्षकों ने प्रभातफेरी निकाली गई। झंडे वाले पार्क में तिरंगे के नीचे खड़े होकर वंदे मातरम गाया। मोती नगर स्थित बालिका विद्यालय इंटरमीडिएट कॉलेज की छात्राओं व शिक्षिकाओं ने भी प्रभातफेरी निकाली। स्वतंत्रता संग्राम विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में नवयुग कन्या पीजी कॉलेज में इतिहास की विभागाध्यक्ष डॉ. शोभा मिश्रा ने छात्राओं को चौरी-चौरा घटना की जानकारी दी। प्रधानाचार्या डॉ. लीना मिश्र समेत शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। नगर निगम डिग्री कॉलेज के छात्रों ने भी रैली निकाली।

आजाद के अस्थि कलश की प्रदर्शनी शुरू, विश्वविद्यालय व कॉलेजों में भी याद किए गए अमर शहीद

लखनऊ। चौरीचौरा घटना के शताब्दी महोत्सव के तहत राज्य संग्रहालय में बृहस्पतिवार से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के अस्थि कलश की प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी की शुरुआत निदेशक डॉ. एके सिंह ने की। लखनऊ विश्वविद्यालय में सांस्कृतिकी की ओर से कार्यक्रम हुआ, जिसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रो. राकेश चंद्रा ने चौरी-चौरा घटना की विस्तार से जानकारी दी। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. प्रशांत शुक्ला आदि उपस्थित थे। राज्य ललित कला अकादमी में पांच दिवसीय म्यूरल्स शिविर की शुरुआत हुई। शिविर में प्रदेश के 10 मूर्तिकार स्वतंत्रता आंदोलन के वीर शहीदों के कथानक उकेरेंगे। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्व. रामकृष्ण खत्री के पुत्र उदय खत्री और सीनियर आईएएस डॉ. चंद्रभूषण ने की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने रक्तदान शिविर लगाया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह संपर्क प्रमुख डॉ. राकेश द्विवेदी, महानगर अध्यक्ष डॉ. मंजुला उपाध्याय ने किया। राजाजीपुरम में मोहन भोग चौराहे पर शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर विधायक सुरेश श्रीवास्तव ने माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर डॉ. यूएन पांडे, राजन मिश्रा, अनुराग मिश्रा, धर्मेंद्र शर्मा, बबीता शर्मा, रजनी शुक्ला, रजनी मिश्रा, वर्षा त्रिवेदी, एसपी तिवारी आदि उपस्थित रहे। उधर, काकोरी में विकास खंड परिसर में कार्यक्रम हुआ, जहां मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख काकोरी कुंवर रामविलास व अध्यक्षता बीडीओ संजीव कुमार गुप्ता ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

गूंजा वंदेमातरम्... याद की

चौरीचौरा शताब्दी वर्ष का आगाज, शहर से लेकर गांव तक देशभक्ति

■ **टीम एनबीटी, लखनऊ :** 'ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा याद करो कुरबानी', 'मेरा रंग दे बसंती चोला' और 'ये देश है वीर जवानों का' जैसे देशभक्ति के गीतों की धुनें जब शहीद स्थलों पर गूंजीं तो देश पर जान न्योछावर करने वालों की याद में सभी की आंखें नम हो गईं। मौका था चौरी चौरा शताब्दी समारोह की शुरुआत का, जिसके रंग में गुरुवार को प्रदेश रंगा रहा। शहर से लेकर गांव तक हर तरफ शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया गया। सुबह गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने चौरीचौरा शहीद स्मारक पर समारोह की शुरुआत की, जबकि शाम को कैसरबाग स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर उनकी याद में गोमती में दीपदान भी किया।

कैसरबाग में हुए कार्यक्रम में होमगार्ड्स के बैंड की धुनों ने माहौल देशभक्तिमय कर दिया। समारोह में मौजूद स्काउट्स ऐंड गाइड के बच्चों ने वंदेमातरम् गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, मेयर संयुक्ता भाटिया, मंडलायुक्त रंजन कुमार और डीएम अभिषेक प्रकाश समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

देशभक्ति के रंग में रंगा सीएम का ट्विटर प्रोफाइल

शताब्दी समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के ट्विटर हैंडल का प्रोफाइल भी देशभक्ति के रंग में दिखा। गुरुवार को इस अकाउंट के प्रोफाइल में चौरी चौरा का लोगो लगा रहा।

काकोरी में दी गई श्रद्धांजलि

काकोरी शहीद स्मारक पर भी शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। विकास खंड के अधिकारियों, ग्रामीणों और किसानों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारीजनों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान क्षेत्र पंचायत प्रमुख कुंवर राम बिलास, मलिक मसूद अख्तर, कमलेश जायसवाल, एचएल गौतम, नेक सहाय यादव, नागेंद्र कुशवाहा, शिवाकांत त्रिवेदी, अनिल कुमार यादव, अरुण कुमार सिंह, विपिन श्रीवास्तव, संजय निगम आदि मौजूद रहे।

बेटियों ने लिया देशसेवा का प्रण

निगोहां गांव में करगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवान अमरेंद्र बहादुर सिंह के समाधि स्थल पर पुलिस बैंड के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। शहीद अमरेंद्र की दोनों बेटियों अनुपम सिंह और प्रिया ने भी पिता की तरह देशसेवा करने का प्रण लिया।

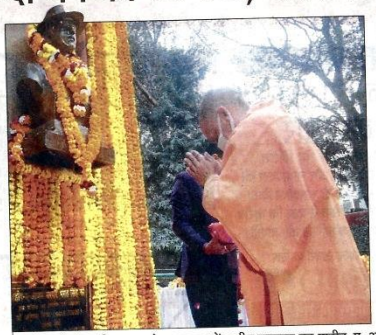

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में शहीद स्मारक पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्काउट्स ऐंड

चंद्रशेखर आजाद के अस्थि कलश के दर्शन

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान स्थित उत्तर प्रदेश राज्य संग्रहालय में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के अस्थि कलश को प्रदर्शित किया गया। निदेशक डॉ. एके सिंह ने बताया कि अस्थि कलश एक महीने तक प्रदर्शित रहेगा।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 राष्ट्रीय सहारा लखनऊ

चौरी-चौरा के अमर शहीदों को शहर का नमन, छात्रों ने निकाली प्रभातफेरी

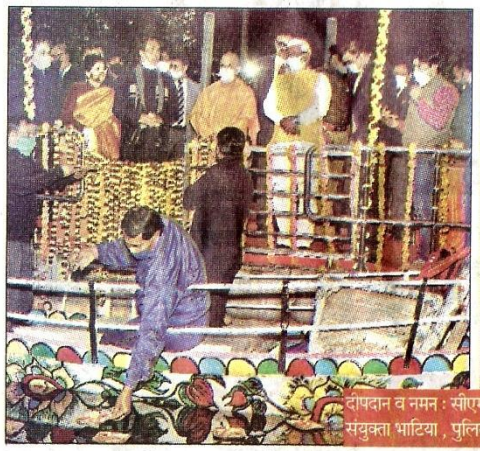

दीपदान व नमन : सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा, मेयर संयुक्ता भाटिया , पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर व डीएम अभिषेक प्रकाश

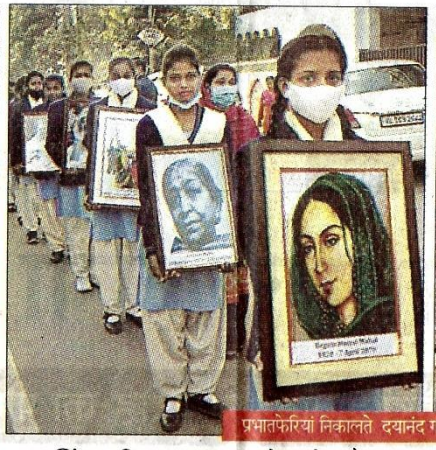

प्रभातफेरियां निकालते दयानंद गर्ल्स कालेज व सीएमएस के छात्र

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चौरी- चौरा शताब्दी महोत्सव के अवसर पर शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर शहीदों की पावन स्मृति में शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने पीएसी बैण्ड द्वारा ऐ मेरे वतन के लोगों जरा याद करो कुर्बानी, है प्रीत जहां की रीति सदा, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा सहित अन्य देश भक्ति गीतों की धुनों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने गोमती तट पर दीपदान भी किया।

शहीद स्मारक पर कार्यक्रम में सीएम उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा व मेयर संयुक्ता भाटिया सहित कई अफसर हुए शामिल

उपमुख्यमंत्री व महापौर द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहम्मद शब्बीर, परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे के पिता गोपीचंद पांडे एवं स्वतंत्रता आंदोलन में काला पानी की सजा पाए सेनानी डॉ शंकर लाल सिंघल के पुत्र डॉक्टर बी बी सिंघल एवं पौत्र नितिन को माल्यार्पण कर शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि चोरी चौरा की घटना ने आजादी के आंदोलन में पूरे देश का वातावरण बदलकर रख दिया था। लोग इस आंदोलन को विस्मृत करते जा रहे है। उन शहीदों को भुला चुके है जिन्होंने अंग्रेजों की दमनकारी नीति का विरोध करते हुए उग्र प्रदर्शन कर अपनी जान गंवाई थी। एक चिंगारी ने समूचे देश में आजादी की नई अलख जगा दी थी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य स्वतंत्रदेव सिंह, महापौर संयुक्ता भाटिया, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं सूचना नवनीत सहगल, मण्डलायुक्त लखनऊ रंजन कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश सहित अन्य वरिष्ठअधिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, एनसीसी कैडेट्स तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

काकोरी शहीद स्मारक के स्मृति उद्यान बरावन बसंत कुंज योजना में विधायक डॉक्टर नीरज बोरा व डॉक्टर आरडी पांडे अपर जिलाधिकारी आपूर्ति लखनऊ द्वारा उपस्थित होकर शहीद स्मारक पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

भगत सिंह शहीद स्मारक स्थल मोहन भोग चौराहा निकट तालकटोरा राजाजीपुरम पर विधायक सुरेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा शहीद स्मारक पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

कैप्टन मनोज पांडे प्रतिमा गोमती नगर पर अपर जिलाधिकारी राम राज एवं अपर उप जिलाधिकारी सूर्यकांत त्रिपाठी द्वारा उपस्थित होकर शहीद स्मारक पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

इसके अलावा शहीद रितेश शर्मा व शहीद प्रतीक मिश्रा सेक्टर 18 इंदिरा नगर पर अपर जिलाधिकारीमनीष कुमार नाहर एवं अपर नगर मजिस्ट्रेट 5 सत्यम मिश्रा द्वारा उपस्थित होकर शहीद स्मारक पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

इसके अलावा जीपीओ पार्क, शहीद भगत सिंह स्मारक मोहन भोग चौराहा, शहीद स्मारक कुम्हरवा तहसील बीकेटी, राजा दिग्विजय सिंह शहीद स्मारक उमरिया तहसील बीकेटी, विकासखंड काकोरी, सरोजनी नगर, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, माल, मलिहाबाद में कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूलों ने भी प्रभातफेरियां निकालीं।

स्लोगन तैयार करने का श्रेय लविवि के डा. अशोक को

लखनऊ (एसएनबी)। स्वरक्तैः स्वराष्ट्रं रक्षेत... चौरी चौरा दिवस पर प्रदेश सरकार की ओर जारी किए गए लोगो पर लिखे इस स्लोगन को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ अशोक कुमार शतपथी ने तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौरी चौरा लोगो के स्लोगन को लेकर कई शब्दों को सुझाया था। उन्होंने निर्देश दिए थे कि स्लोगन इस तरह से तैयार किया जाए, जिसमें राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रभावना दोनों ही शामिल हो। इसे लेकर कई राउंड उन्होंने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। डॉ अशोक कुमार ने बताया कि संस्कृति विभाग ने उनको चौरी चौरा दिवस पर लोगो के लिए स्लोगन तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने बताया कि इसमें वीर रस दिखाते हुए राष्ट्र प्रेम के भाव को दिखाया गया है। इस स्लोगन में अनुष्टुप छंद की लय है। इससे श्लोक भी तैयार किया जा सकता है।डॉ अशोक कुमार ने बताया कि चौरी चौरा जनाक्रोश दिवस पर मेरा योगदान भी शामिल हो गया है। यह स्लोगन पूरे राष्ट्र के लिए है। डॉ शतपथी बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर वर्ष 2011 से लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में छात्रों को पढ़ा रहे है।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 अमर उजाला लखनऊ

डरी अंग्रेजी हुकूमत ने हवाई फायरिंग पर लगा दी थी रोक

फ्लैश बैक : गृह विभाग दिल्ली ने आदेश जारी कर प्रशासनिक अफसरों को हवाई फायरिंग पर तत्काल रोक लगाने को कहा था

राजीव रंजन

गोरखपुर। चौरीचौरा में जनविद्रोह से ब्रिटिश हुकूमत हिल उठी थी। लोगों के आक्रोश को भांपते हुए गोरखपुर के तत्कालीन कमिश्नर ने इंडिया होम दिल्ली को तार भेजकर एक कंपनी मिलिट्री भेजने की मांग की थी। वहीं सरकार के गृह विभाग दिल्ली ने सभी स्थानीय सरकारों व प्रशासन को तार भेजकर हवाई फायरिंग पर तत्काल रोक लगाने को कहा था। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार की ओर से इससे संबंधित दस्तावेज की प्रदर्शनी चौरीचौरा में मुख्य आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

दस्तावेज के मुताबिक आठ फरवरी 1921 को गांधी जी पहली बार गोरखपुर आए। इसके बाद यहां से बड़ी संख्या में लोग उनके असहयोग आंदोलन से जुड़ने लगे। लोगों ने सरकार की शराब की दुकानों का बहिष्कार कर दिया। बड़ी संख्या में लोग आयातित वस्त्रों को छोड़कर गांधी टोपी और खादी के कपड़ों का इस्तेमाल करने लगे। भारत में इस आंदोलन से उत्पन्न हुई स्थिति को संभालने के लिए ब्रिटिश सरकार ने 'प्रिंस ऑफ वेल्स' को भारत भेजा, लेकिन आंदोलन ने और गति पकड़ ली। गोरखपुर शहर से करीब 15 हजार स्वयंसेवक सूचीबद्ध हुए। इसी

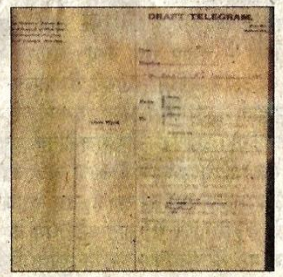

अभिलेखागार की प्रदर्शनी : चौरीचौरा की घटना से जुड़े लोगों की कोर्ट में पेशी के दौरान फोटो और हवाई फायरिंग पर रोक लगाने संबंधी दस्तावेज।

आंदोलन के क्रम में चर्चा में आया तत्कालीन गोरखपुर-देवरिया की कच्ची रोड पर स्थित परगना दक्षिण हवेली के टप्पा केतउली का गांव चौरीचौरा।

पुलिस की गोलियां खत्म हो गईं तब भागे थे थाने में

गांधीजी के गोरखपुर आने के लगभग एक साल बाद आंदोलन के क्रम में एक फरवरी 1922 को चौरीचौरा से सटे मुंडेरा बाजार में शांतिपूर्ण बहिष्कार किया जा रहा था। इसी बीच चौरीचौरा पुलिस स्टेशन के पास एक सब इंस्पेक्टर ने कुछ स्वयंसेवकों की पिटाई कर दी। चार फरवरी 1922 को जिला मुख्यालय से करीब 15 मील दूर पूर्व डुमरी नामक स्थान पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक इकट्ठा हुए और स्थानीय नेताओं के संबोधन के बाद चौरीचौरा थाने पहुंच गए। यहां पुलिस से पिटाई का स्पष्टीकरण मांगने लगे। इसी दौरान पुलिस ने गोली चला दी और स्वतंत्रता संग्राम के 26 सेनानी शहीद हो गए। इसके बाद पुलिस की गोलियां खत्म हो गईं। बचने के लिए सभी थाने के अंदर भाग गए। साथियों की मौत से आक्रोशित स्वयंसेवकों ने गेट को बंद कर थाने को आग लगा दी। इस घटना में एक सब इंस्पेक्टर और 22 पुलिस कर्मियों की जलकर मौत हो गई।

तीन दिन बाद भेजी गई थी सूचना

घटना की पूरी तफ्तीश के बाद गोरखपुर के सुप्रीटेंडेंट ऑफ पुलिस ने सात फरवरी को चौरीचौरा की घटना की सूचना डीआईजी सीआईडी यूपी को भेजी। उस समय के समाचारपत्र 'लीडर' में सात फरवरी को घटना के बाद सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के विषय में सूचना प्रकाशित की गई थी।

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान टाइम्स लखनऊ

Budget focus is on farmers, says Modi

Rajesh Kumar Singh
rajesh.singh@htlive.com

LUCKNOW: Prime Minister Narendra Modi on Thursday spelled out all that his government has done to empower India's farmers, in the 2021 Budget and in prior years, in another outreach to protestors demanding the repeal of three contentious farm laws aimed at opening up agricultural markets..

For one thing, the government has decided to connect over 1,000 mandis to the eNAM online agricultural trading platform to turn the markets into centres of profit for farmers, the prime minister said in a speech by video link to mark the centenary of the Chauri Chaura event, a landmark moment in the history of India's freedom struggle.

"Now, when farmers go to mandis to sell their produce they will be able to do so with ease at any place across the country," said the Prime Minister, who released a stamp to mark the centenary.

continued on →11

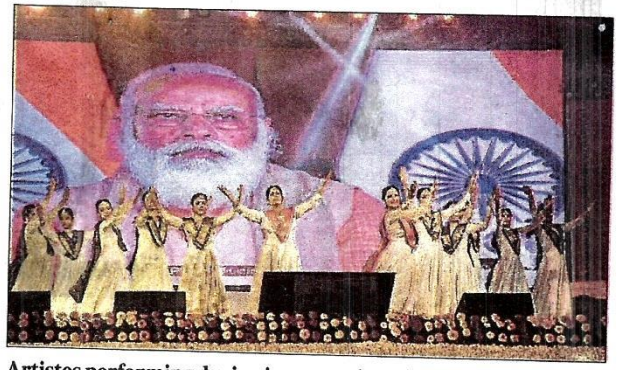

Artistes performing during inauguration of Chauri Chaura centenary celebrations, in Gorakhpur on Thursday. The event was inaugurated by PM Narendra Modi via video link. PTI

Yogi: Chauri Chaura gave new direction to freedom struggle

LUCKNOW : Chief minister Yogi Adityanath on Thursday said the Chauri Chaura incident gave a new direction to the country's freedom struggle. He was speaking at Chauri Charua town, 26 km from Gorakhpur, after Prime Minister Narendra Modi virtually inaugurated the Chauri Chaura centenary celebrations. →p5

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान टाइम्स लखनऊ

MODI

In addition, Modi noted that the Centre had allocated ₹40,000 crore for the development of rural infrastructure in the budget for financial year 2021-22, which has been described by many economists as a growth-oriented package aimed at boosting the pandemic-ravaged economy.

"Farmers will directly benefit from investment in the infrastructure sector," the PM said. "The decision of the Centre will make farmers atmanirbhar (self-reliant). Agriculture will turn into a profitable venture for farmers."

February 4 marks 100 years of an event that took place in Chauri Chaura, a village in Gorakhpur district of Uttar Pradesh, known as United Province in British India, when a large group of protesters participating in Mahatma Gandhi's non-cooperation movement clashed with the police, who opened fire. In retaliation, the protestors set fire to a police station. The incident left three civilians and 22 policemen dead. Days later, a saddened Gandhi halted the non-cooperation movement.

Modi said the fire lit by the protestors was not confined to the police precinct. It reached the hearts of the people of India, infusing them with the desire for achieving independence from colonial rule.

Modi's speech came on the 72nd day of a protest by thousands of farmers massed on the borders of the national capital demanding the repeal of three contentious laws pushed through by the Bharatiya Janata Party (BJP)-led government.

The laws aim to ease restrictions on trade in farm produce by setting up free markets, which will co-exist with regulated markets, allow food traders to stockpile large stocks of food for future sales and lay down a national framework for contract farming based on written agreements.

Farm unions say free markets under the laws will erode their bargaining power, weaken a system of assured prices and make them vulnerable to exploitation by corporate giants. The Supreme Court put the three laws on hold on January 12.

In his speech, Modi said farmers had contributed record foodgrain production during the pandemic year, and had become the base of progress achieved by the country.

Modi said the Swamitwa Yojana (ownership scheme) launched by the government in Uttar Pradesh last year will also benefit farmers, who will receive documents of ownership of their land and houses. The ownership document will not only raise the value of their property, but they will also get loan from banks with ease, Modi said.

"Efforts of the government are changing the scenario in Gorakhpur region, known as the land of revolutionaries. Earlier, factories were closed, roads were damaged and hospitals remained closed. Now, the Gorakhpur fertiliser factory is starting. Farmers will benefit and youths will get employment, :he said.

Modi said the Budget will enable the country meet the challenges on the road ahead in the aftermath of the Covid-19 pandemic.

"Before the budget was presented, several experts said the country faces a crisis and the centre will have to increase taxes, put the burden on the common man. But the centre ensured that no burden was put on the people," Modi said.

The Centre has, instead, decided to increase spending to accelerate development. "Expenditure will be on construction of wide roads to connect villages with towns, mandis and markets; construction of bridges, laying of railway tracks, starting new trains, buses; improvement of education; to provide more opportunities of employment to the young," he said.

He also mentioned 'India's fight against the Covid-19 pandemic and vaccination drive from which, Modi said, several countries were drawing lessons. Alongside manufacturing Covid-19 vaccines, India is exporting them to countries who need them, he said.

"Now, the centre is working to provide quality medical facilities to people in rural areas so that they do not have to go to cities for treatment of minor health problems. To ensure that they do not face any problem in getting medical services, a big decision has been taken in the budget -- now modern testing laboratories will be established in each district and people will get health services in villages too. The Centre has increased the budget allocation for the health sector," he said.

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 हिन्दुस्तान टाइम्स लखनऊ

PM: Chauri Chaura martyrs not given their due in history

In Chauri Chaura centenary celebrations, effort has been made to promote local culture and arts. It will be our tribute to the freedom fighters, says Modi

Rajesh Kumar Singh
rajesh.singh@htlive.com

LUCKNOW : Prime Minister Narendra Modi on Thursday said it was unfortunate that those who laid down their life in the Chauri Chaura incident on February 4, 1922 were not given their due in history.

The Prime Minister was speaking after inaugurating virtually the Chauri Chaura centenary celebrations at Chauri Charua town, 26 km from Gorakhpur.

Chief minister Yogi Adityanath, his ministers, local leaders and a large number of people had gathered at the Shaheed Smarak there to pay tributes to the freedom fighters.

Modi welcomed the gathering in the local Bhojpuri dialect. Paying tribute to the freedom fighters, he invoked Baba Gorakhnath (who started the nath panth) and Deoraha Baba (a revered saint of east UP).

Modi said a hundred years ago what happened at Chauri Chaura was not merely an incident of arson at a police station. The message of Chauri Chaura was big and wide. Earlier, whenever there was talk of the Chauri Chaura, it was seen as a minor arson incident. But what conditions led to the arson is also important, he said.

The fire was not only set in the police station but in the heart of the people. "Today, the historical struggle of Chauri Chaura is being given a place in history of the country," Modi said and added that the efforts of the Uttar Pradesh government and chief minister Yogi Adityanath should be appreciated.

The Chauri Chaura incident was a spontaneous movement launched by the common people. It's unfortunate that the contribution of the people who laid down their life is not discussed in annals of freedom struggle. Their sacrifice gives inspiration to Indians. They came from different backgrounds, villages and were of different age groups but were brave sons of country, he said.

In the freedom struggle, there are only a few instances when so many -- 19 freedom fighters were hanged in Chauri Chaura – freedom fighters got capital punishment.

The British government was bent on hanging hundreds of freedom fighters, but due to the initiative of Baba Raghva Das and Pandit Madan Mohan Malivya around 150 people were saved from being hanged.

The centre has invited young writers to write books and documents on the occasion of 75 years of Independence. "In the Chauri Chaura centenary celebrations, effort has been made to promote local culture and arts. It will be our tribute to the freedom fighters. The power of our unity broke the chain of bondage, this unity has become the base of 'atma nirbhar' (self-reliant) India," he said.

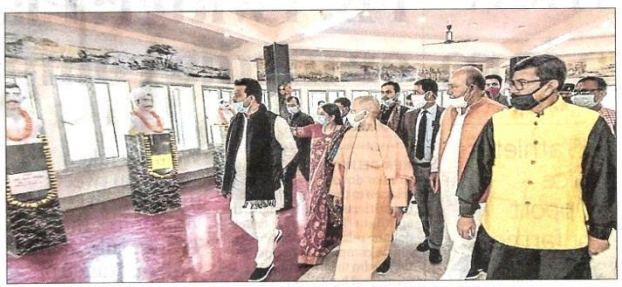

Chief minister Yogi Adityanath visiting a museum during the 'Chauri Chaura' centenary celebrations, in Gorakhpur on Thursday. PTI PHOTO

Yogi: The incident gave new direction to freedom struggle

LUCKNOW: Chief minister Yogi Adityanath on Thursday said the Chauri Chaura incident gave a new direction to the country's freedom struggle.

"On February 4, 1922 an invaluable struggle was launched at Chauri Chaura for freedom of the country. Three freedom fighters were killed in police firing during the fight between locals and police. The British government had lodged cases against 228 people and 224 of them were punished. Out of those punished, 19 got capital punishment, 14 life imprisonment, 19 were given eight years imprisonment, 97 were sentenced to 5 years imprisonment and 20 were given three years imprisonment," the CM said. He was speaking at Chauri Charua town, 26 km from Gorakhpur, after Prime Minister Narendra Modi virtually inaugurated the Chauri Chaura centenary celebrations. Yogi said the Chauri Chaura programme was being organised at all freedom fighters and martyrs' memorial sites across the state to pay tribute to them as well as soldiers who laid down their life in war. Round the year programmes will be organised at the memorials and painting, essay writing and debates will be held in educational institutions. The state government will organise a book fair and promote research on freedom struggle, he said.

Yogi said under the guidance of Prime Minister Narendra Modi, schemes like 'Swadeshi, Swalamban and Swachhta' mission had been launched across the state. The cleanliness mission has checked spread of encephalitis in east UP.

Governor Anandiben Patel, as chairperson of organising committee, prepared the programmes that are being organised to mark the centenary celebrations, Yogi said.

Earlier, Yogi paid floral tributes at the Chauri Chaura martyrs' memorial. He also felicitated family members of the people who participated in the freedom struggle and Chauri Chaura incident. He distributed tricycles among the physically-challenged.

Social welfare minister Ramapati Shastri, minister of state for tourism Neelkanth Tiwari, MP Kamlesh Paswan and MLA Sangeeta Yadav also expressed their views .

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 इंडियन एक्सप्रेस लखनऊ

Prime Minister Narendra Modi addresses the Chauri Chaura centenary celebrations via video conference on Thursday. PTI

PM: Votebank politics in Budgets earlier, we didn't burden people

MAULSHREE SETH
LUCKNOW, FEBRUARY 4

THE UNION Budget did not put any burden on the people, and it was different from Budgets of previous governments which converted the exercise into a "*bahi khaata*" (ledger) of vote bank calculations and a vehicle for making promises that were not fulfilled, Prime Minister Narendra Modi said on Thursday.

The thinking and approach of this government was very different, he said.

"*Budget ke pehle kayi diggaj yeh keh rahe the ki desh ne itne bade sankat ka saamna kiya hai, isliye sarkar ko tax badhaana hi padega, desh ke aam nagrik pe bojh dalna hi hoga... Lekin is Budget mein deshwasiyon par koi bojh nahin badhaaya gaya, balki desh ko tezi se aage badhaane ke liye sarkar ne zyada se zyada kharcha karne ka faisla kiya...* (Before the Budget, many experts were saying that the country has faced such a crisis (due to the pandemic), and the government would have no option but to tax common citizens more... But the Budget did not put any burden on the people of the country, instead the government took the decision to spend as much as possible to take the country

CONTINUED ON PAGE 2

Votebank

ahead speedily...)," the Prime Minister said.

He was speaking by a video link at the inauguration of the centenary year celebrations of the Chauri Chaura incident of February 4, 1922, in Gorakhpur.

"*Dashakon se hamare desh mein Budget ka matlab itna hi ho gaya tha kiske naam par kya ghoshna kar di gayi... Budget ko vote bank ke hisab kitab ka bahi khaata bana diya gaya tha...* (For decades, the Budget had been about making announcements in someone's name. The Budget had been turned into a ledger of votebank calculations)," Modi said.

But things have changed now, he said. "*Ab desh ne woh soch badal di hai, approach badal di hai* (The country has now given up that kind of thinking, it has changed that approach)."

With an agitation against the new farm laws underway at the borders of Delhi for well over two months now, Modi listed the initiatives taken by his government over the past six years to make farmers self-reliant.

Farmers, the PM said, have formed the basis of the country's progress, and even during the pandemic, the farm sector had seen growth and record production.

The Budget would hasten the process of meeting the challenges thrown up by the Covid-19 pandemic, the PM said. India's handling of the crisis had earned it praise worldwide, he said.

Modi praised the efforts of the Uttar Pradesh government to highlight the freedom struggle and the martyrs of Chauri Chaura; these celebrations were significant considering the country is entering the 75th year of Independence, he said.

It was unfortunate that the martyrs of Chauri Chaura were not discussed prominently in history, he said, and asked people to remember the contributions of Baba Raghavdas and Madan Mohan Malviya, who he said saved 150 freedom fighters from being hanged by the British.

"What happened in Chauri Chaura 100 years ago was seen as a simple incident of arson. But its message was very wide... The fire was not only at the police station but in the hearts of Indians as well," the Prime Minister said.

On February 4, 1922, a crowd of peasants set on fire the police station in Chauri Chaura, killing 22 policemen. Gandhi decided to stop the Non-Cooperation Movement, which he saw as having been tainted by the violence. The British hanged 19 people for the attack on the police station.

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 इंडियन एक्सप्रेस लखनऊ

Govt to honour freedom fighters who died between 1857 & 1947: CM

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, FEBRUARY 4

CHIEF MINISTER Yogi Adityanath on Thursday announced that the state government will organise programmes to honour freedom fighters who died between 1857 and 1947, and the soldiers killed in wars post-Independence.

Launching the centenary celebrations of the Chauri-Chaura incident in Gorakhpur, the Chief Minister said that while the police band would play patriotic songs at the memorials, Kavi Gosthi and Deepotsava would also be organised at the memorial. "On important dates related to Independence Struggle, special events will be organised at the Shaheed Smarak. Debate, painting, essay writing competitions will also be organised in schools," he said, adding that the government would give boost to research on martyrs.

The CM also felicitated families of freedom fighters and gave away 100 motorised tri-cycles to people with physical disabilities.

As a tribute to the martyrs of the Chaura Chauri incident, the CM replaced the display picture of his official Twitter handle with the logo of the event. Government officials said that it was for the first time that the CM removed his photo from his official Twitter handle in the honour of the martyrs.

Meanwhile, Prime Minister Narendra Modi released a postal stamp dedicated to centenary celebrations of Chauri-Chaura incident and said that for many reasons the incident was referred to "as a minor incident of arson, but it was more significant than that".

New record, 1.5 lakh took part in Vande Mataram event: Govt

A marathon campaign to create a "world record" of people standing in salute pose to sing Vande Mataram and post videos of the same on the YouTube concluded on Thursday noon. Officials said that as many as 1.5 lakh people became part of the campaign that began on Wednesday at 10 am. "The number of uploaded videos is being scrutinised by members of the Guinness Book of World Records. The record will be announced after following the standard practice," Gorakhpur ADM (Finance and Revenue), Rajesh Singh, said. For the campaign, the Guinness Book of World Records created an official link *https://chaurichauramahotsav.in/* for uploading the videos.

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 इंडियन एक्सप्रेस लखनऊ

Chief Minister Yogi Adityanath attends the inauguration ceremony of Chauri Chaura centenary celebrations, in Gorakhpur on Thursday. *PTI*

दै0 टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ

Taking all steps to make farmers self-reliant: Modi

Country's Unity And Respect Above All: PM

PankajShah@timesgroup.com

Lucknow: Amid the ongoing stand-off over new farm laws, Prime Minister Narendra Modi on Thursday said farmers have played the most crucial role in the economic development of the country and in the past six years his government has been taking all steps to make them self-reliant.

Speaking on the occasion of centenary year celebration of the Chauri Chaura incident which shook the foundation of British Empire in 1922, the PM said: "On this occasion, let's take a pledge to give priority to the unity of the country and its respect above everything else."

Addressing the gathering virtually at the Gorakhpur suburb, Modi said that farmers played an important role in the Chauri Chaura incident, which saw peasants, who were participating in non-cooperation movement, clashed with police after they opened fire on them. He said that during the Corona pandemic, the agriculture sector emerged stronger and farmers ensured a record output.

▶PM: Self-reliant, P 3

PM Modi addresses the centenary celebrations of Chauri Chaura incident virtually from New Delhi on Thursday. CM Yogi Adityanath and his cabinet colleagues attended the event at Chauri Chaura

CM invokes struggle, sacrifice at Chauri Chaura

At the inaugural of the Chauri Chaura centenary celebrations on Thursday, chief minister Yogi Adityanath invoked the ideals of sacrifice, swadesi and swavlamban (self-reliance) of freedom fighters and appealed to citizens to imbibe these virtues, reports Arjumand Bano. **P3**

130cr Indians being made self-reliant: PM

▶Continued from P1

The PM said that the agriculture sector would progress faster when the farming community was strengthened.

"We have taken several steps in the interest of farmers. To make mandis profitable for farmers, 1,000 more mandis will be linked to e-NAM," the PM said, adding "farmers will have the choice to sell their produce as per their choice."

Besides, the infrastructure fund for the rural sector has been increased to Rs 40,000 crores in the recently announced union budget, he said, adding "this would also benefit farmers who would become self-reliant and make agriculture a profitable sector," he said, adding that the Swamitva scheme envisaging documentation of properties, also aimed to help small farmers and the poor.

The PM also underscored that the unity of people which once broke the shackles of `gulami' (slavery) during freedom struggle will again help the country to become an economic super power through its policy of self-reliance. "The unity of people is the foundation of `Atma Nirbhar Bharat'," Modi said. He said that the 130 crore people of the country are being made self-reliant and enabling them to cater to the world.

"The soul of the freedom fighters must be feeling proud as India sends Corona vaccines to other countries and carves out a special place for itself," he said, adding that during the peak of pandemic, the country not only sent medicines to over 150 countries but also brought back scores of Indians back to the country and sent foreigners to their respective countries.

Maintaining that the 2021-22 Union budget sought to expedite the activities in sectors which got affected because of the pandemic, Modi said that some people used to claim that the government would impose new taxes on people to increase the revenue.

"But no new tax was imposed on people," he said, insisting that the government seeks to spend

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ

Chauri Chaura Centenary: Yogi Pays Tributes To Martyrs In Gorakhpur,

CM invokes ideals of sacrifice, swa

Arjumand Bano | TNN

Gorakhpur: At the inaugural of the Chauri Chaura centenary celebrations on Thursday, chief minister Yogi Adityanath invoked the ideals of sacrifice, swadesi and swavlamban (self-reliance) of freedom fighters and appealed to citizens to imbibe these virtues.

After paying tributes to martyrs of the Chauri Chaura uprising in the morning, the chief minister took part in the rendition of national song Vande Mataram.

"The year-long celebration is dedicated to martyrs of India's freedom struggle and those who sacrificed themselves to protect our borders. This help steer the nation towards *swadesi, swavlamban and swachhta* (indigenous products and thoughts, self-reliance and cleanliness). We should thank Prime Minister

PM Narendra Modi on Thursday released a postage stamp to mark Chauri Chaura centenary celebrations

Narendra Modi for launching the 'swachh abhiyan', which helped save children from Japanese Encephalitis," he said.

Recalling the Chauri Chaura uprising, the chief minister said, it was a struggle between locals and the oppressive Colonial police, who shot dead three protesters. In retaliation, a police station was burnt down, killing some staff.

The British registered cases against 228 people and 19 were hanged, 14 were sentenced to life and 57 were imprisoned for five years.

"The uprising left a deep impact on the freedom struggle. On specific days of the week, diyas will be lit at martyrs' memorials and a police band will play patriotic songs. Debates, discussions, poetry recitals and painting competitions will be organised in schools and special research projects on the freedom struggle will be promoted," the chief minister said.

CM Yogi Adityanath pays tributes to Chauri Chaura martyrs in Gorakhpur (left) and at Shaheed Smarak in Lucknow

Chauri Chaura becomes CM's Twitter profile pic

Lucknow: The profile picture of Chief Minister Yogi Adityanath's official Twitter account '@myogioffice' was changed to the logo of Chauri Chaura centenary cebrations to commemorate the event.

Several senior officials also changed their profile pictures to the logo, as did many government handles. The logo carries the Sanskrit phrase 'Swaraktaih Swarashtram Rakshet' which means, 'We protect our nation with our blood' besides Chauri Chaura 100 Mahotsav.

The logo is also present on the postal stamp which was released by PM Narendra Modi.

"The change of the display pictures was done in the afternoon, after the centenary celebrations were officially launched by the PM, CM and Governor, to pay tributes to the martyrs of the incident," said a government spokesperson. TNN

Stories of martyrs retold; another record in making

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Day-long celebrations across the state marked the inaugural day of the centenary of the Chauri Chaura incident on Thursday.

After attending the ceremony in Gorakhpur, chief minister Yogi Adityanath visited Shaheed Smarak in Lucknow in the evening where he lit a lamp in memory of the martyrs.

A government spokesperson said that the CM also joined more than 1.5 lakh people in singing Vande Mataram at the same time and uploading their videos to create a world record. The record is currently held by an organisation in England which recorded and uploaded 20,000 videos. Gorakhpur ADM Rajesh Singh said that a team from Guinness Book of World Records was reviewing the entries, after which exact number of videos uploaded will be determined.

The CM also honoured 16 out of 99 family members of martyrs and freedom fighters. These included Ramnawal, Omprakash, Lalkishun, Gulab, Savitri, Virendra, Ramashish, Mansingh Yadav, Harilal, Saudagar Ali, Lallan, Ramraj, Mainuddin, Satyacharan, Dashrath and Ramnarayan Tripathi. He also distributed 100 tricycles among differently able persons.

Chauri Chaura centenary celebrations in Gorakhpur

The event's theme song, a postal stamp and a documentary film by Akashwani were launched in the virtual presence of Prime Minister Narendra Modi, Governor Anandiben Patel and the CM.

A play directed by Manvendra Tripathi was performed in Gorakhpur based on the atrocities unleashed by the British government on the people who participated in the Chauri Chaura revolt.

The logo, with the slogan 'Swarakte: Swarashtram Rakshet' was also launched. It is made by Ashok Sathpathy, a teacher in Lucknow University's Sanskrit department.

The famous Pharuahi dance from Purvanchal was performed at the programme where Akhilesh Singh and his team also presented Sufi songs. In the morning, prabhat pheris were taken out across districts, followed by singing of the national song. A kavi sammelan was also organised, based on the stories of freedom fighters. Poets like Hari Om Pawar, Kaleem Kaiser, Chetna Pandey, Archana Malviya, Akriti Vidya Arpan, Waseem Mazhar, Anjana Singh Sengar and Bineet Chauhan participated in it.

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 पायनियर लखनऊ

PM inaugurates Chauri Chaura centenary celebrations

PNS ■ LUCKNOW

Highlighting the important role that farmers played during the Chauri Chaura incident, Prime Minister Narendra Modi said that earlier farmers were considered as a vote bank but the situation had changed as his government believed in taking all countrymen along with it as the unity of the country matters the most.

"Amidst the challenges of the coronavirus pandemic, our agriculture sector grew strongly and the farmers showed their might and clocked a record production. If our farmer becomes stronger, the progress of agriculture will be further accelerated," the prime minister said while invoking the sacrifices of the freedom fighters as he inaugurated the centenary celebrations of the historical Chauri Chaura incident virtually on Thursday.

He also released a postal stamp dedicated to the Chauri Chaura centenary, marking the beginning of the year-long celebrations.

Talking about the Union Budget 2021, the prime minister said that many people were critically looking at the budget as they were skeptical that during this period of COVID-19 pandemic, the budget would take the hit.

"But with the Budget 2021, we have shown that nothing can stop us from making the dream of a self-reliant India come true," he said.

Pointing out that the Budget 2021 had a special focus on strengthening the agriculture sector and boosting farmers' income, the prime minister said: "We have announced the inclusion of 1,000 more mandis or agriculture product marketing committees (APMCs) to be linked to the e-National Agriculture Market (e-NAM)."

The prime minister also said that the aim of the budget was not to increase the burden on the countrymen rather the government had decided to spend more and more money to make the country self-reliant.

"For me and my government, the thing that matters the most is the unity of the country. We believe in taking every countryman along with us," he said

Stating that every village and town would have a proper health system, the prime minister said that his government was making efforts to have a proper system of treatment in every village and town so that the people of the particular location did not suffer and migrate to big cities for treatment of every small disease.

"The infrastructure fund for the rural sector has been increased to Rs 40,000 crore which will directly benefit the farmers of the country. All

Continued on Page 9
■ Related Reports on Pg 2

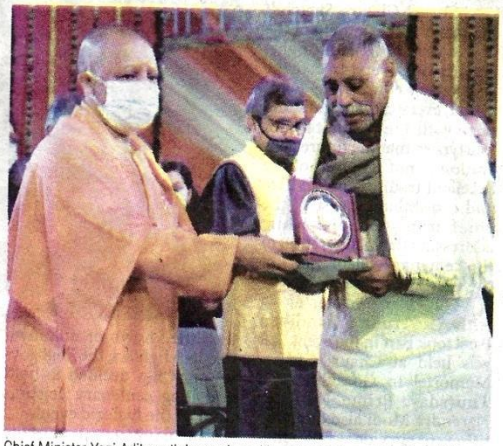

Chief Minister Yogi Adityanath honouring a kin of the martyrs at the Chauri Chaura centenary celebrations on Thursday

PM INAUGURATES CHAURI CHAURA CENTENARY CELEBRATIONS

these decisions will make our farmers self-reliant and make agriculture a profitable business," he said.

Talking about the Chauri Chaura incident, the prime minister said it was more than a fire at a police station. It was symbolic of the fire that was ignited in the hearts of the freedom fighters.

He also paid tributes to the freedom fighters who sacrificed their lives in Chauri Chaura in Gorakhpur, on February 4, 1922.

It may be mentioned that the UP government has planned a year of celebrations till February 4, 2022 in all 75 districts of the state. During the year-long event, essay writing, debate, poetry recitation, painting and other competitions will be organised in schools. In addition, exhibitions, book fairs, and other events will also be held.

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

दै0 पायनियर लखनऊ

Chauri Chaura symbol of India's expression: Yogi

PNS ■ LUCKNOW

Paying respect to the martyrs who sacrificed their lives in the freedom struggle, Chief Minister Yogi Adityanath said that the sacrifice of Chauri Chaura was a symbol of India's expression where there was a confluence of commitment, motivation, and maturity.

"Chauri Chaura Shatabdi Mahotsav is the anthem of the heroic saga of freedom fighters' sacrifice. Every street of the state, every educational institution, every crossroad should buzz with the heroic tales of martyrs so that the future generation is not ignorant of the excellent tradition of sacrifice and can imbibe it easily," the chief minister said while addressing the inauguration of the centenary celebrations of the Chauri Chaura incident.

The chief minister along with Governor Anandiben Patel took part in the event that was held at Chauri Chaura Memorial in Gorakhpur on Thursday. Prime Minister Narendra Modi also attended the event via video conferencing. As a tribute to the unsung heroes of the freedom struggle and to sensitise the young generation about the valour of the little known or unknown freedom fighters, the Yogi government has decided to hold year-long centenary celebrations of the historic event.

Invoking the valour of the freedom fighters and their sacrifices in the wake of the Chauri Chaura uprising which took place on February 4, 1922, the chief minister said that the incident had given a new direction to India's Independence movement against the British rule.

"We are gathered here today to pay reverence and respect to all those immortal sacrifices," the chief minister said. Talking about Atmanirbhar Bharat, the chief minister said that Swachhta, Swavalamban and Swadeshi all together would lead us towards making India self-reliant. "Inculcating these in our daily lives will be a true spirit of nationality," he pointed out.

Explaining the meaning of the logo of the centenary celebrations released by the UP government on the occasion, the chief minister said that the words 'Swarakte, Swarashtram Rakshyet' meant 'Tera vaibhav amar rahe Maa, hum din char rahe na rahe' (we protect our nation with our blood) ."

CM changes official Twitter handle logo

Lucknow (PNS): In a tribute to the martyrs of the Chauri Chaura uprising, Chief Minister Yogi Adityanath on Thursday replaced the DP of his official Twitter handle with the logo of the event for 15 hours.

The DP of the official Twitter handle of the chief minister has his photo and it was replaced with the logo of the Chauri Chaura incident on the occasion of the completion of 100 years of the Chauri Chaura uprising.

This is for the first time in the state that a chief minister has removed his photo from his official Twitter handle in the honour of martyrs.

The logo also has a slogan written in Sanskrit, Swarakte Swarashtram Rakshyet which means Protect Your Country by Surrendering Yourself.

Remembering the incident, the Chief Minister Yogi said, 'We all know that on February 4, 1922, a group of people clashed with the police. The police then opened fire which led to the death of three freedom fighters. As many as 228 people were prosecuted by the British rule at that time, in which 225 people were punished in various ways by the British government. At least 19 freedom fighters were given death sentences, 14 were given life imprisonment and 19 were put behind the bars for eight years."

Yogi Adityanath regretted that this chapter of the freedom struggle had been consigned to anonymity, adding that from now onwards this place would be a new teerth (pilgrimage).

The programme started with the police band playing and floral tributes being paid to the martyrs. The centenary celebrations will be marked by the illumination of all the martyrs' memorials in the state along with a series of events to invoke the sacrifices of the freedom fighters.

Ending his speech, Yogi said: "Let us remember the true sons of our nation who sacrificed their lives in the freedom struggle of the country and pay tribute to them. Chauri Chaura Shatabdi Mahotsav is the anthem of the heroic saga of freedom fighters' sacrifice."

निरीक्षा शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश